सुविचार
जिसने कभी कोई शत्रु नहीं बनाया, उसका कोई मित्र भी नहीं बनता है।
टेनिसन

हिंदी दैनिक
द फोटोन न्यूज
सच के हक में...
झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

08
फीमेल एक्ट्रेस को अभी भी नहीं मिलते पॉवरफुल किरदार

रांची ● बुधवार, 12 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 86 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com
E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

शेयर बाजार

संसेक्स	:	60,157.72
निफ्टी	:	17,722.30

सर्राफा

सोना	:	5,715
चांदी	:	80.04

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

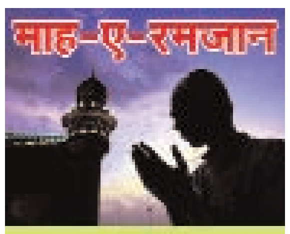

इफ्तार (बुधवार) : 06.09
सेहरी (गुरुवार) : 04.12

ब्रीफ न्यूज

झारखंड कैबिनेट की बैठक 17 अप्रैल को

रांची : झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 17 अप्रैल को बुलाई गई। कैबिनेट की बैठक शाम 4 बजे से प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार में होगी जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने आदेश जारी कर दिया और सभी विभागों को कैबिनेट की बैठक के लिए प्रस्ताव मांगा गया है। बैठक में राज्य सरकार के कर्मियों व पेंशनभोगियों को 4 फीसदी महंगाई भत्ता का लाभ दिए जाने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है। बता दें कि इस वित्तीय वर्ष की यह पहली कैबिनेट बैठक होगी। इससे पूर्व 6 अप्रैल को राज्य कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी लेकिन मंत्री जगरनाथ महतो के असामयिक निधन की वजह से बैठक को स्थगित कर दिया गया था।

न्यायाधीश अपरेश सिंह बने त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह को त्रिपुरा हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी। किरेन रिजिजू ने लिखा कि भारतीय संविधान के तहत राष्ट्रपति ने जस्टिस अपरेश कुमार सिंह को त्रिपुरा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। जस्टिस अपरेश कुमार सिंह लम्बे समय से झारखंड हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। करीब 11 वर्ष पहले उनकी नियुक्ति झारखंड हाईकोर्ट में जज के रूप में हुई थी। हाईकोर्ट में रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण केसों की सुनवाई की और महत्वपूर्ण आदेश भी पारित किये। झारखंड हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने अपरेश कुमार सिंह को नयी जिम्मेदारी मिलने के लिए शुभकामनांए दी है।

देश में कोरोना के 5,676 नए मरीज, 24 घंटे में 15 की मौत

नई दिल्ली : देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5,676 नए मरीज सामने आए हैं। इस दौरान 15 संक्रमित लोगों की मौत हो गई। इस अवधि में 3,761 मरीज स्वस्थ हुए हैं। अब तक कोरोना वायरस से 4,42,00,079 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रिकवरी रेट 98.73 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 37,093 हो गई है। दैनिक संक्रमण दर 2.88 प्रतिशत है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुला

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग मंगलवार को छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए दोनों तरफ से खुला है। इसी बीच बड़े वाहनों को जम्मू से श्रीनगर जाने की अनुमति दी गई है। दूसरी ओर मुगल मार्ग को भी साफ करने का कार्य जारी है।

सिदो-कान्हू की धरती साहिबगंज को सीएम हेमंत सोरेन ने 2080 विकास योजनाओं की दी सौगात, कहा- सरकार पहुंच रही आपके द्वार

पमुख संवाददाता, रांची।

अमर शहीद सिदो-कान्हू की पवित्र भूमि भोगनाडीह से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को मिजल्स-रूबेला विशेष टीकाकरण और नवगठित सिदो-कान्हू राज्य सहकारी संघ के तहत पैक्स-लैम्प्स से सदस्यों को जोड़ने के महाअभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सीएम ने जिले को 2080 योजनाओं की सौगात दी और लाभुकों को सशक्त बनाने के लिए उनके बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने जिले के दूरस्थ सुदुर और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए चार बाइक एंबुलेंस की चाबी भी सौंपी। सिदो-कान्हू जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि राज्य और राज्यवासियों की उन्नति के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार आपके द्वार पहुंच रही है।

सरकारी कर्मी अपनी जिम्मेदारी निभाएं

सीएम ने कहा कि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाएं। योजनाओं को धरातल पर उतारने में आप की अहम जिम्मेदारी है। सभी के प्रयासों से ही राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर सकते हैं। कहा कि हर वर्ग और तबके के लिए योजनाएं हैं और लोग इसका लाभ लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकार की आवाज, नजरें और योजनाएं गांव -गांव पहुंच रही है। पहले वातानुकूलित दफ्तरों में योजनाएं बनती थी और वहीं खत्म भी हो जाती थी। लेकिन, हमारी सरकार ने अलग झारखंड राज्य बनने के बाद पिछले दो दशकों से चली आ रही इस परिपाटी को बदलने का काम किया है। अब पंचायतों में शिविर लगाकर आपके दरवाजे पर योजनाओं को लेकर अधिकारियों की फौज पहुंच रही है।

साहिबगंज में लाभुको को परिसंपत्तियों का वितरण करते सीएम हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

साहिबगंज को सीएम ने दी ये सौगात

- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 75392.09 लाख रुपये की लागत वाली 2080 योजनाओं का तोहफा दिया। इसमें 597.04 लाख रुपये की 2072 योजनाओं की आधारशिला रखी गई, जबकि 15664.05 लाख रुपये की आठ योजनाओं का उद्घाटन किया।
- मुख्यमंत्री ने 216 लाभुको के बीच लगभग 391 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया
- सिदो-कान्हू कृषि एवं वन उत्पाद फेडरेशन के तहत लैम्प्स- पैक्स को मजबूती देने और इसमें सदस्यों को जोड़ने के महाअभियान का मुख्यमंत्री ने किया शुभारम्भ। इसके तहत अगले एक माह में पैक्स- लैम्प्स की सदस्य संख्या को 28 लाख करने का लक्ष्य है, जो वर्तमान में 14 लाख है। इसमें 30 लाख परिवारों से कम से कम एक सदस्य को जोड़ा जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने मीजल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान का किया शुभारम्भ।
- मुख्यमंत्री ने जिले के दूरस्थ और सुदूर इलाकों के लिए चार बाइक एम्बुलेंस का लोकार्पण किया।
- मुख्यमंत्री ने सखी मंडलों को 38 ट्रैक्टर की चाबी प्रदान की, ताकि कृषि कार्यों कुछ बेहतर और बढ़ावा मिल सके।

बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रयास जारी

राज्य के सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चे- बच्चियों को बेहतर और गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिले , इस दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति की राशि में तो बढ़ोतरी की ही गई है। इसके अलावा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना भी सरकार ने शुरू की है। वहीं, निजी विद्यालयों की तर्ज पर बच्चों को शिक्षा देने के लिए मॉडल स्कूल विकसित किए गए हैं। अब यहां के बच्चे- बच्चियों को विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के साथ मेडिकल- इंजीनियरिंग आदि की पढ़ाई के लिए भी सरकार आर्थिक सहायता दे रही है।

कृषि और वन उपज को मिलेगा बाजार : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कृषि और वन उपज को बाजार के साथ उचित मूल्य मिलेगा। इसके लिए इन उत्पादों का एमएसपी भी तय किया जाएगा और इसके लिए सरकार ने सिदो कान्हू कृषि एवं वन उपज संघ का गठन किया है। इसके लिए पैक्स -लैम्प्स को आर्थिक मजबूती दी जा रही है। इसी कड़ी में पैक्स लैम्प्स के लिए आज से सदस्यता महाअभियान शुरू हो रहा है। आप सभी इससे जुड़े। इसके बाद आपके उत्पादों को पैक्स- लैम्प्स खरीदेगी। इससे आपके उत्पादों को उचित मूल्य और बाजार मिलेगा।

बीजेपी का सचिवालय घेराव : रणक्षेत्र बना इलाका, लाठीचार्ज-पथराव, छोड़े आंसू गैस

बैरिकेडिंग तोड़ आगे बढ़ी भीड़, पुलिस व पत्रकारों को बनाया निशाना, कैमरे तोड़े, कई घायल

मुख्य संवाददाता, रांची।

झारखंड की हेमंत सरकार के खिलाफ मंगलवार को बीजेपी का सचिवालय घेराव के दौरान जमकर बवाल काटा गया। बीजेपी कार्यकताओं द्वारा बैरिकेडिंग तोड़ आगे बढ़ने की कोशिश की गयी। इस दौरान पानी के फव्वारे छोड़े गये। पुलिस की लाठीचार्ज, आंसू गैस और पथराव के बाद बीजेपी का सचिवालय घेराव कार्यक्रम खत्म हुआ। लाठीचार्ज के कारण कई पार्टी कार्यकर्ता और नेता घायल हुए, वहीं पथराव में कई पुलिस कर्मी सहित पत्रकार भी घायल हुए। इधर, बीजेपी नेताओं ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि पार्टी कार्यकर्ता लाठी-डंडे से डरने वाले नहीं हैं। वहीं, पथराव होते ही पुलिस को भी लाठीचार्ज करनी पड़ी। आखिरकार, घंटों रणक्षेत्र में बना इलाका अब शांत हो गया। वहीं, सिटी एसपी शुभांशु जैन ने कार्रवाई की बात कही है।

लाठीचार्ज और पथराव से कई घायल : मंगलवार की सुबह धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में बीजेपी कार्यकताओं का जुटान होना शुरू हुआ। धीरे-धीरे कार्यकताओं की भीड़ बढने लगी। इसके बाद नेता और कार्यकर्ता सचिवालय की ओर कूच करने लगे। इस दौरान भीड़ को रोकने के लिए बैरेकेटिंग की गयी। इस बैरिकेडिंग को पार्टी कार्यकर्ता तोड़ आगे बढ़ने लगे। इसको रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने पानी के फव्वारे छोड़े। इसके बाद पथराव और पानी के बोतले फेंकने शुरू हो गये। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तीतर-बितर करने की कोशिश की। इसमें कई कार्यकर्ता घायल हुए।

भाजपा के सचिवालय घेराव के दौरान वाटर कैनन से पानी की बौछार करती पुलिस ● फोटोन न्यूज

लाठी-डंडे से बीजेपी कार्यकर्ता डरने वाले नहीं : बाबूलाल मरांडी

बीजेपी विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार की लाठी-डंडों से बीजेपी कार्यकर्ता न डरेंगे और न ही जनता के लिए हमारी आवाज दबेगी। कहा कि डंडों के जोर से अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिशें नाकाम नहीं होगी। इस भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

झामुमो का पलटवार, भाजपा डर गई हैं हेमंत सोरेन से

रांची : भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम को सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने फ्लाप करार दिया है। झामुमो के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि इससे अधिक भीड़ तो नुक्कड़ सभाओं में होती है। सचिवालय घेराव कार्यक्रम में इनके कार्यकर्ता नहीं जुटे तो भाजपा के नेता सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के बहाने बना रहे हैं। भाजपा के नेताओं ने मजमा लगाकर पुलिस बल पर पत्थर फेंके। सवाल उठाया कि यह जांच का विषय है कि पत्थर चलाने का प्रशिक्षण भाजपा अपने कार्यकताओं को कहां देती है। मुट्ठी भर उत्पाती लोगों के सहारे भाजपा राज्य में फिर से सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है। दरअसल भाजपा के नेताओं को हेमंत फोबिया हो गया है। भाजपा के सारे नेता हेमंत सोरेन की लोकप्रियता से डर गए हैं। यही कारण है कि एक-दूसरे को पसंद नहीं करने वाले भी एक मंच पर आकर ज्ञान दे रहे हैं। इन्हें लग रहा है कि हेमंत सोरेन की लोकप्रियता के आगे ये टिक नहीं पाएंगे। इन्हें दिन-रात सपने में हेमंत सोरेन नजर आते हैं। शायद सपने में भी हेमंत-हेमंत चिल्लाते होंगे।

जनविरोधी सरकार को उखाड़ने के लिए संकल्पित : दीपक प्रकाश

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि हेमंत सरकार लाठी-डंडो से न तो आंदोलन को कुचल पाएगी और न ही भाजपा कार्यकताओं के इरादे को। पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा कि हेमंत सरकार को शायद यह पता नहीं कि हम भाजपा कार्यकर्ता इन कदमों से डरने वाले लोग नहीं हैं। जनहित के लिए हमारा संघर्ष चलता रहेगा।

केरल के वायनाड पहुंचे राहुल गांधी, कलपेट्टा में 22 मिनट तक किया रोड शो, बोले

चाहे जेल में डाल दें, सवाल पूछता रहूंगा

एजेंसी, वायनाड।

सांसदी छीने जाने के बाद पहली बार राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड पहुंचे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने यहां कलपेट्टा में 22 मिनट तक रोड शो किया। प्रियंका गांधी समेत पार्टी के कई सीनियर लीडर उनके साथ नजर आए। राहुल ने कहा कि मेरी सांसदी छीने जाने से वायनाड के साथ मेरे रिश्ता कमजोर नहीं बल्कि और मजबूत होगा। एमपी सिर्फ एक टैग है, यह एक पोस्ट है। भाजपा वह टैग छीन सकती है, मुझे वायनाड के लोगों की आवाज उठाने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा- मेरी संसद की सदस्यता छीन ली गई। मेरा घर छीन लिया, मेरे पीछे पुलिस लगा दी, लेकिन इन सब से मुझे फर्क नहीं पड़ता है। वो मुझे जेल में भी डाल दें फिर भी मैं सवाल पूछता रहूंगा। राहुल से पहले, प्रियंका गांधी ने कहा- मैं यहां आकर खुश हूं। यह बहुत भावुक दौरा है जब मैं अपने भाई के साथ वायनाड आई हूं। कल मैं उनके घर से उसका फर्नीचर पैक कर रही थी। जब तक नई जगह नहीं मिल जाती वो मां के साथ रहेंगे। कुछ सालों पहले मैंने भी यही समय देखा, जब मुझे घर बदलना पड़ा था। मेरे बच्चों और पति ने मेरी मदद की, लेकिन मेरे भाई के न बच्चे हैं और न ही परिवार। मैं स्पीच देने में अच्छी नहीं हूं। इंग्लिश भी अच्छी नहीं है।

केरल के कलपेट्टा में रोड शो करते राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ● एजेंसी

पूरी सरकार एक शख्स को बचा रही : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा- देश के मंत्री, सांसद और पीएम एक नागरिक को परेशान कर रहे हैं, जो सवाल पूछ रहा है क्योंकि उनके पास राहुल के सवालों के जवाब नहीं है। पूरी सरकार एक शख्स को बचाने में लगी है जिसका नाम है गौतम अडाणी। मेरे भाई के साथ जो हुआ वो दिखाता है कि हमारे देश में किस तरह तानाशाही है। वो अपने बिजनेस मैन दोस्तों को बचाने में लगी है।

पूर्व खिलाड़ियों को पेंशन व कोच को मिलेगा पुरस्कार

- 30 अप्रैल तक पेंशन के लिए खेल पदाधिकारी के पास देने होंगे आवेदन
- 20 अप्रैल तक नकद पुरस्कार राशि के लिए देने होंगे आवेदन

वरीय संवाददाता, रांची।

राज्य सरकार ने पूर्व खिलाड़ियों को पेंशन और खेल प्रशिक्षकों को नकद पुरस्कार देने का फैसला लिया है। खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय ने इस संबंध में आवेदन मांगे हैं। पेंशन के लिए अपने-अपने जिले के जिला खेल पदाधिकारी के पास 30 अप्रैल तक तथा नकद पुरस्कार राशि के लिए 20 अप्रैल तक आवेदन करने होंगे।

खेल निदेशालय के अनुसार राज्य के अर्जुन अवार्ड प्राप्त खिलाड़ी, द्रोणाचार्य अवार्ड प्राप्त खिलाड़ी, ध्यानचंद अवार्ड प्राप्त खिलाड़ी, ओलंपिक में भाग लेनेवाले खिलाड़ी, कॉमनवेल्थ खेल, एशियन गेम के पदक विजेता पेंशन योजना का लाभ ले सकते हैं। आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

नकद पुरस्कार राशि पाने के लिए 10 जून, 2022 के बाद अंतरराष्ट्रीय, भारतीय ओलंपिक संघ से मान्यता खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों, टीम को उपलब्धि दिलाने वाले, झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रशिक्षक अपने जिले के डीएसओ के पास आवेदन कर सकते हैं। ऐसे प्रशिक्षक ही पुरस्कार राशि के पात्र होंगे, जिन्होंने कम से कम चार वर्ष पूर्व से प्रशिक्षित किए जा रहे खिलाड़ी अथवा राज्य या भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर पदक दिलाया हो।

हेमलाल की हुई घर वापसी: भाजपा छोड़ जेएमएम के हुए मुर्मू, सीएम ने दी सदस्यता

संवाददाता, साहिबगंज।

आज भारतीय जनता पार्टी के नेता हेमलाल मुर्मू ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ जेएमएम का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हेमलाल मुर्मू का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर हेमलाल मुर्मू का स्वागत करते हुए लिखा, आदरणीय श्री हेमलाल मुर्मु जी का झामुमो परिवार में हार्दिक स्वागत और जोहार। झारखण्ड और झारखण्डियत की रक्षा तथा झारखण्डवासियों को हक-अधिकार ही हमारा संकल्प, हमारा उद्देश्य है। और उसी उद्देश्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भोगनाडीह में सभा को संबोधित किया। सोमवार की देर शाम ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट पहुंचे थे। भोगनाडीह की सभा में संताल-परगना क्षेत्र के प्रभावशाली नेता हेमलाल मुर्मू पार्टी की सदस्यता ग्रहण का विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया हेमलाल मुर्मू ने आज फोन पर हुई बातचीत में कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। मैं अपनी पार्टी में वापस लौट रहा हूं।

सीएम के साथ बैठे हेमलाल मुर्मू व अन्य कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

पार्टी बदल रहे हैं हेमलाल, क्या रहा भाजपा में उनका सफर

हेमलाल मुर्मू साल 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले झामुमो से अलग होकर भाजपा में शामिल हो गये थे। । 2014 का लोकसभा चुनाव वह राजमहल लोकसभा सीट से लड़े लेकिन चुनाव हार गये। 2019 में फिर वह लोकसभा चुनाव लड़े फिर हार गये। इसके बाद लिट्टीपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भी हेमलाल मुर्मू को झामुमो के साइमन मरांडी ने मात दे दी। अब हेमलाल मुर्मू यू-टर्न लेकर रहे हैं।

जेएमएम की राजनीतिक दिशा क्या होगी

झारखंड मुक्ति मोरचा में हेमलाल मुर्मू के जाने से कई तरह की चर्चा है। हेमलाल मुर्मू पार्टी की पुरानी पहचान से जुड़े हैं। अब हेमलाल की वापसी को लेकर तरह तरह की प्रतिक्रिया है। सूत्रों की मानें तो हेमलाल को वापस लाकर पार्टी अपनी पुरानी पहचान को मजबूत करना चाहती है। लोबिन हेम्ब्रम लंबे समय से पार्टी से नाराज हैं। झामुमो पुराने कार्यकताओं की पार्टी है यह संदेश देने की कोशिश है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आमजनों से जुड़ी समस्याओं के निराकरण करने का दिया निर्देश

संवाददाता, साहिबगंज।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की जनता को कोई कष्ट न हो, उसकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन हो। लोगों के दुःख-दर्द को सुनना और उसे दूर करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को धरमपुर, पतना, साहिबगंज में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगों से यह कहा।

मुख्यमंत्री ने मौके पर ही लोगों की समस्याओं के उचित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री द्वारा इस दिशा में किए जा रहे हैं सकारात्मक पहल की लोगों ने सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मौके पर सांसद विजय हांसदा भी मौजूद रहे।

सीएम ने अमर शहीद सिदो कान्हू को किया नमन

साहिबगंज : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को अमर शहीद सिदो कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह, साहिबगंज में वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और वंशजों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा क्रांति स्थल, पंचकठिया में भी विधिपूर्वक पूजा कर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू को नमन और श्रद्धांजलि दिया।

अब सरकार की आवाज, नजरें और योजनाएं गांव-गांव पहुंच रही हैं : सीएम

संवाददाता, रांची/साहिबगंज

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अमर शहीद सिदो-कान्हू की पवित्र भूमि भोगनाडीह से मंगलवार को मिजल्स-रूबेला विशेष टीकाकरण और नवगठित सिदो-कान्हू राज्य सहकारी संघ के तहत पैक्स-लैम्प्स से सदस्यों को जोड़ने के महाअभियान का शुभारम्भ किया। उन्होंने साहिबगंज जिले को 2080 योजनाओं की सौगात दी और लाभुकों को सशक्त बनाने के लिए उनके बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने जिले के दूरस्थ सुदूर और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए चार बाइक एंबुलेंस की चाबी भी सौंपी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकार की आवाज, नजरें और योजनाएं गांव-गांव पहुंच रही है। पहले वातानुकूलित दफ्तरों में योजनाएं बनती थी। वहीं खत्म भी हो जाती थी लेकिन हमारी सरकार ने अलग झारखंड राज्य बनने के बाद पिछले दो दशकों से चली आ रही इस परिपाटी को बदलने का काम किया है। अब पंचायतों में शिविर लगाकर आपके दरवाजे पर योजनाओं को लेकर अधिकारियों की फौज पहुंच रही है और आपकी समस्याओं का समाधान हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तकनीकों के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र भ्रमण के दौरान तो लोगों से मिलकर उनकी बातें सुनते ही हैं। अब तकनीकों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों से एक साथ जुड़ेंगे।

मोदी सरकार का हर कदम भारत की बेहत्तरी के लिए : गिरिराज सिंह

एजेंसी, बेगूसराय।

केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र पर चलते हुए समग्र विकास कर रही है। जब देश का समग्र विकास हो रहा है तो मोदी सरकार की बिहार पर विशेष नजर है। गांव सशक्त और ग्रामीण आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

गिरिराज सिंह ने मंगलवार को बेगूसराय में बताया कि मनरेगा में यूपीए सरकार ने 2006-07 से 2013-14 तक 1660 करोड़ मानव दिवस सृजित कर 153 लाख कार्य पूर्ण किए थे, इसके लिए 213220 करोड़ केंद्रीय निधि दी गई थी। जबकि मोदी सरकार ने 2014-15 से 2022-23 तक 2443 करोड़ मानव दिवस सृजित कर 632 लाख कार्य पूर्ण किए, इसके लिए 601482 करोड़ केंद्रीय निधि दी गई।

बिहार में यूपीए की सरकार ने 2006-07 से 2013-14 तक 76 करोड़ मानव दिवस सृजित कर 5.39 लाख कार्य पूर्ण किए और 9649 करोड़ केंद्रीय निधि दी गई थी। जबकि मोदी सरकार 2014-15 से 2022-23 तक 116 करोड़ मानव दिवस सृजित कर 44.21 लाख कार्य पूर्ण किए तथा 30130 करोड़ केंद्रीय निधि दी गई। बिहार में 3530 अमृत सरोवर चिन्हित किए गए, जिसमें से 896 का कार्य पूरा कर लिया गया तथा 2140 का कार्य चल रहा है।

पीएम रोजगार मेला : प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को 71 हजार युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को रोजगार मेला के तहत 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। ये नियुक्तियां देश के विभिन्न मंत्रालयों में होंगी। केंद्र सरकार ने इस वर्ष 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस

अवसर पर प्रधानमंत्री इन युवाओं को संबोधित भी करेंगे।

रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद है कि रोजगार मेला आगे रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

देशभर से चुनी गई नई भर्तियां भारत सरकार के तहत विभिन्न पदों पर ज्वाइन करेंगी। इनमें ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, सीनियर कमर्शियल कम टिकट क्लर्क, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर अकाउंटेंट, पोस्टल असिस्टेंट, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/सुपरवाइजर, असिस्टेंट प्रोफेसर, टीचर, लाइब्रेरियन, नर्स, परिवीक्षाधीन अधिकारी, पीए, एमटीएस आदि शामिल हैं।

नए भर्ती किए गए लोगों को कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नई नियुक्तियों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जम्मू-श्रीनगर के बीच जारी कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

संवाददाता, जम्मू।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जम्मू कश्मीर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान मंगलवार को दूसरे दिन जम्मू से श्रीनगर के बीच बन रहे राष्ट्रीय राजमार्ग के श्रीनगर-बनिहाल खंड का जायजा लिया। नितिन गडकरी के साथ संसदीय समिति भी जम्मू कश्मीर के दौरे पर है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ जम्मू के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह व अन्य सांसद भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर के बीच ऑल वेदर कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए बन रहे जम्मू से उधमपुर-रामबन-बनिहाल-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के श्रीनगर-बनिहाल खंड का आज मुआयना किया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा को सुगम बनाने के लिए 35,000 करोड़ रुपये की लागत से तीन कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत जम्मू से उधमपुर-रामबन-बनिहाल से आगे श्रीनगर तक के पहले कॉरिडोर में श्रीनगर से बनिहाल खंड का समावेश होता है। 16,000 करोड़ रुपये की लागत से 250 किमी लंबाई का यह 4-लेन मार्ग बनाया जा रहा है। इसमें से 210 किमी मार्ग का 4-लेन पूरा हुआ है, जिसमें 21.5 किमी की 10 टनल भी शामिल हैं।

इस क्षेत्र में संभावित भूस्खलन की बाधा को दूर करने के लिए इस मार्ग को 4-लेन करने की डिजाइन भू-तकनीकी और भू-वैज्ञानिक जांच के आधार पर की गई है। जम्मू से श्रीनगर के बीच यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए क्रैश बैरियर और अन्य सड़क सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से जम्मू और श्रीनगर के बीच ऑल वेदर कनेक्टिविटी होगी। श्रीनगर से जम्मू आने-जाने में 9-10 घंटे का लगने वाला समय घटकर 4 से 5 घंटे हो जाएगा। रामबन और बनिहाल के बीच 40 किमी 4-लेन मार्ग के एक कैरिज-वे का काम जून 2024 तक पूरा होगा, जिससे श्रीनगर की यात्रा करने वालों को काफी राहत मिलेगी।

सामाजिक और राजनीतिक चेतना जागृत कर नई क्रांति की नींव रखने का वक्त : सुदेश महतो

संवाददाता, रांची।

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक चेतना जागृत कर झारखंड में एक नई क्रांति की नींव रखने का वक्त है। महतो मंगलवार को रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के आधुनिक हथियारों को अपने तीर-धनुष के आगे झुकने पर मजबूर कर देने वाले महान क्रांतिकारी एवं हूल क्रांति के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू सहित अगणित वीर सपूतों के अविस्मरणीय बलिदान की बदौलत ही आज हम आजाद भारत में सांस ले रहें। उन्होंने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि प्रदेश के मजदूर, किसान, नौजवान तथा वंचित वर्ग को हक दिलाकर ही दी जा सकती है। लेकिन आलम तो ये है कि आज अपने ही राज्य में झारखंडी अपना अस्तित्व, अपनी पहचान की तलाश में हैं। सरकार के कार्यों से ऐसा लग रहा कि स्वतंत्रता सेनानियों, आंदोलनकारियों के सम्मान के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं। आज परिस्थितियां विपरीत हैं। यह समय एकजुट होकर झारखंड एवं झारखंडियत के संरक्षण के लिए सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना जागृत कर एक नई क्रांति की नींव रखने का वक्त है।

सामाजिक न्याय मार्च को लेकर आजसू पार्टी नगर कमेटी की बैठक संपन्न, मनोज महतो ने कहा

वर्तमान सरकार के वादों की पोल खोलने का करेंगे कार्य

संवाददाता, रामगढ़।

आजसू पार्टी जिला प्रधान कार्यालय स्थित नगर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप वर्मा एवं संचालन नगर सचिव नीरज मंडल ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री मनोज कुमार महतो उपस्थित हुए।

श्री मनोज महतो ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी

बैठक में उपस्थित अतिथि व अन्य लोग। ● द फोटोन न्यूज

13 अप्रैल 2023 को होने वाले सामाजिक न्याय मार्ग मे रामगढ़ नगर से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित होकर सामाजिक न्याय मार्च को सफल बनाएंगे साथ ही साथ उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के द्वारा किए गए वादों का आज तक कोई कार्य पूरा नही किया गया इसका पोल खोलने का भी कार्य करेंगे।

सामाजिक न्याय मार्च प्रातः 9:00 बजे महतो पेट्रोल पंप से पैदल मार्च करते हुए जिला समाहरणालय का घेराव करेंगे बैठक में मुख्य रूप से अनुज तिवारी गौरी शंकर दिनेश कुशवाहा अनुपमा सिंह अभिमन्यु कुशवाहा विभिन्न सिंह राजेश गोयंका संजय बनारसी बबलू मोदी रोहित सोनी इंद्रजीत राम पंकज दांगी कैलाश रजक लालू शर्मा अनिल श्रीवास्तव राकेश साहू छोटू करमाली विक्की ठाकुर दीपू गुप्ता अजय पांडेय शंकर पासवान मीरा देवी मीरा देवी जयशंकर प्रसाद पिंकू कुशवाहा कुंती देवी ममता देवी आशा साव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा आज आयेंगे खूंटी

खूंटी : जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा अपने एक दिवसीय दौरे पर बुधवार को खूंटी आएंगे। इस संबंध में सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बताया कि अर्जुन मुंडा सुबह नौ बजे बाबा आम्रेश्वर धाम में पूजा-अर्चना करेंगे और पूर्वाह्न 11.30 बजे तोड़ंगकेल गांव में ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी लेंगे। केंद्रीय मंत्री दोपहर 12 बजे भूत गांव में गांव वालों से बातचीत करेंगे। वहां से अर्जुन मुंडा तमाड़ जाएंगे और वहां वे चैत्र महोत्सव में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' क्विज में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को देशवासियों से मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बातह्व क्विज में भाग लेने का आग्रह किया है। अप्रैल माह में ह्यमन की बातह्व का 100वां एपिसोड होगा। इसे चिह्नित करने के लिए, प्रसार भारती (सूचना और प्रसारण मंत्रालय), माईगॉव इंडिया के साथ मिलकर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं। इस ऑनलाइन क्विज में केवल पांच सवालों के जबाव देकर पूरे 4,000 रुपये जीत सकते है। शीर्ष 25 विजेताओं में से प्रत्येक को 4000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने की अंतिम तिथि 17 अप्रैल है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ह्व#टंल्लल्लङ्कइं३ द४९ के आखिरी कुछ दिन बाकी हैं... अगर आपने भाग नहीं लिया है तो जरूर हिस्सा लें और पिछले 99 एपिसोड्स की शानदार यात्रा को फिर से जिएं जिसमें प्रेरक सामूहिक प्रयासों को हाइलाइट किया गया है।

अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए आंदोलन को कुचलना चाहती है सरकार : विधायक

खूंटी : भाजपा के झारखंड सचिवालय घेराव करने जा रहे भाजपा कार्यकताओं पर लाठीचार्ज और उन्हें जबरन रोकने की घटना की खूंटी जिले के दोनों विधायकों ने कड़ी निंदा की हैं और कहा कि हेमंत सरकार सरकारी तंत्रों का दुरुपयोग कर जन आंदोलन को कुचलना चाहती है। खूंटी के विधायक और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि हेमंत सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए इस तरह की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और जब भाजपा इसके खिलाफ आवाज उठाती है, तो सरकार उसे कुचलने का प्रयास करती है। तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि विधानसभा में भी भ्रष्टचार आदि मुद्दों पर सवाल पूछने पर भागती थी और जब लाखों भाजपा कार्यकर्ता और जनता इसके खिलाफ मंगलवार को सचिवालय घेराव करने रांची पहुंचे, तो सरकार जवाब देने के बदले संथाल परगना भाग गई।

भाजपा का घेराव कार्यक्रम हुआ टांय टांय फिस : डॉ मनोज

रांची : राजद महासचिव सह प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि भाजपा का सचिवालय घेराव कार्यक्रम टांय टांय फिस रहा। यह घेराव नहीं नौटंकी साबित हुआ। भाजपा की ओर से आयोजित कार्यक्रम सिर्फ केंद्र सरकार की नाकामियों को छिपाने के लिए आयोजित कार्यक्रम था, जो पूरी तरह झारखंड की जनता ने सिरे से खारिज करने का काम किया है। भाजपा राज्य में जिस तरह से लूट खसोट और भ्रष्टाचार चरम पर था और जितना घोटाला भाजपा के शासन में हुआ किसी के शासन में नहीं हुआ।

भाजपा का सचिवालय घेराव कार्यक्रम पूरी तरह से हुआ असफल : कांग्रेस

रांची : प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा का घेराव कार्यक्रम पूरी तरह टांय टांय फिस रहा। भाजपा के कार्यक्रमों से भाजपा के कार्यकर्ता ही दूरियां बना ली है, जो आज भाजपा की ओर से आयोजित सचिवालय घेराव कार्यक्रम में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि आमजनता के मुद्दे जैसे महंगाई, बेरोजगारी बैंक घोटाले से ध्यान हटाने के लिए भाजपा सचिवालय घेराव कार्यक्रम जैसे नौटंकी है। सिन्हा ने कहा कि जब भीड़ नहीं जुटी, तो भाजपा के नेताओं ने इसका ठिकरा प्रशासन के उपर फोड़ना शुरू कर दिया और फ्लॉप कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पत्थल और पानी का बोतल तक प्रशासन के उपर चलाने का काम किया।

लोकतंत्र को सुनियोजित ढंग से कमजोर कर रही है भाजपा सरकार : सोनिया गांधी

नई दिल्ली : कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। सोनिया गांधी ने मंगलवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख में मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बुनियादी मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। यह सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को भूल चुकी है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा देश भुगत रहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार ऐसा दिखाने की कोशिश कर रही है कि बेरोजगारी, महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था कोई मुद्दा ही नहीं है। जबकि सच सभी जानते हैं। विपक्ष जब इन मुद्दों को संसद में उठाना चाहती है तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। जो विपक्षी नेता मोदी सरकार से सवाल पूछते हैं उन पर जांच एजेंसियों को लगा दिया जाता है। सोनिया गांधी ने कहा कि विपक्ष को जबरन शांत करा देने से मुद्दों का हल नहीं निकलेगा। उन्होंने अपने लेख में मोदी सरकार पर कई और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता को खत्म करने के मुद्दे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष संसद नहीं चलने दे रही है। अडानी मुद्दे पर केन्द्र सरकार चुप है। 45 लाख करोड़ रुपये का बजट बिना किसी चर्चा के ही पास कर दिया गया। यह लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। सोनिया गांधी ने अपने लेख में आरएसएस पर भी निशाना साझा। उन्होंने कहा कि देश में नफरत और हिंसा फैलाने के लिए भाजपा आरएसएस साथ काम कर रही है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे को जान से मारने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले युवक राजेश अगवाने को पुलिस ने मंगलवार को मुंबई के धारावी इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपित अगवाने ने कहा कि उसने शराब के नशे में सीएम को धमकी दी। उसका ऐसा कोई इरादा नहीं था। पुलिस के अनुसार आरोपित ने सोमवार मध्यरात्रि पुणे के वारजे इलाके से हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल की थी। आरोपित ने कहा था कि वह सीएम एकनाथ शिंदे को उड़ा देगा। इस कॉल के बाद पुलिस ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा बढ़ा दी थी। आरोपित मुंबई में वार्ड बॉय के रूप में काम करता है। उसकी पत्नी कोथरूड , पुणे में काम करती है।

मोदी सरकार में बढ़ा खिलाड़ियों का सम्मान : अनुराग ठाकुर

बुलंदशहर : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के जहांगीराबाद स्थित स्टेडियम में मंगलवार को सांसद खेल स्पर्धा-2023 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश के खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि देश के खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर विभिन्न खेलों में देश-विदेश में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने खेलों का बजट कई गुना बढ़ाया है। अगले तीन वर्षों में 47 लाख युवाओं को स्टाइपेंड देने का काम मोदी सरकार करेगी। खेल मंत्री ने जिले में बड़े स्तर के इंडोर स्टेडियम बनाने का भी आश्वासन दिया।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा- गर्मी में लोगों को स्वच्छ पेयजल देने की क्या है तैयारी

रांची के विभिन्न जलाशयों और तालाबों के अतिक्रमण संबंधित याचिका पर हुई सुनवाई

झारखंड हाईकोर्ट

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के विभिन्न जलाशयों और तालाबों के अतिक्रमण संबंधित एक याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार तथा नगर निगम से पूछा है कि गर्मी के मद्देनजर लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए क्या इंतजाम किए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दी जाए। यह आदेश झारखंड हाई कोर्ट के चीफ संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने दी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार और याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने अपना पक्ष रखा। याचिकाकर्ता खुशबू कटारुका ने रांची के बड़ा तालाब और जिला के आसपास के जलस्रोतों को संरक्षित करने और इसमें हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि बड़ा तालाब, कांके डैम और धुर्वा डैम की सैकड़ों एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियों ने हड़प ली है। वहां मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है, जिससे जलाशयों के जलस्रोत प्रभावित होने के साथ ही दूषित भी हो रहे हैं।

हाई कोर्ट में रतन हाईट्स बिल्डिंग सोसाइटी मामले में सुनवाई हुई

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट में मंगलवार को रतन हाईट्स बिल्डिंग सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस पूरी हो गई। अब इस मामले में गुरुवार को प्रतिवादियों की ओर से बहस होगी। कोर्ट ने 46 कट्ठा पर बनाए जाने वाले जी प्लस पांच के भवन के निर्माण कार्य पर रोक जारी रखी है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि बिल्डर ने 86 कट्ठा का नक्शा रिवाइज कराए बगैर फिर से नया नक्शा पास करा लिया। 46 कट्ठा पर नया नक्शा पास कराया गया है, जो गैरकानूनी है।

राष्ट्रीय खेल घोटाला: हाईकोर्ट ने दिया था सीबीआई जांच का आदेश, सालभर बाद भी नतीजा शून्य

रांची : 28.34 करोड़ के 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाला और 424 करोड़ के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में अनियमितता की उइक जांच अब तक पूरी नहीं हुई है। 11 अप्रैल 2022 से ठीक एक वर्ष पूर्व हाईकोर्ट ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। जिसके बाद 22 अप्रैल 2022 को सीबीआई ने दो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। पहली प्राथमिकी रांची, धनबाद और जमशेदपुर में बने मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में अनियमितताओं से जुड़ी है। जबकि दूसरी प्राथमिकी राष्ट्रीय खेल के आयोजन में खेल सामग्री की खरीद, बगैर टेंडर खरीदारी-निर्माण के आदेश समेत अन्य धांधलियों से संबंधित है। अब तक राष्ट्रीय खेल घोटाला के केस में सीबीआई ने दो बार छापेमारी की है। पहली छापेमारी 26 मई को हुई थी। जिसमें देशभर के 18 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। जबकि दूसरी बार 19 अगस्त को प्रभात शर्मा और संजय शर्मा के ठिकानों पर छापेमारी की जा चुकी है। सीबीआई ने अब तक लगभग दो दर्जन वेंडर व अन्य लोगों से पूछताछ की है। लेकिन अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है। सीबीआई ने जो दो प्राथमिकी दर्ज की है, उसमें एक में 34वें राष्ट्रीय खेल के कार्यकारी अध्यक्ष आरके आनंद, महासचिव एसएम हाशमी, कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक व तत्कालीन खेल निदेशक पीसी मिश्रा को नामजद किया गया है।

खेल सामग्रियां बिना किसी टेंडर के ऊंची कीमत पर खरीदे गये

सीबीआई से पहले एसीबी रांची ने भोलानाथ सिंह की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जिसमें आरोप लगे थे कि रांची के बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में 11 करोड़ की लागत से हाईमास्ट लाइट लगाने के लिए बगैर टेंडर के बजाज इलेक्ट्रिकल्स को 11 करोड़ का काम सौंप दिया गया। बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में 1 करोड़ से अधिक की रकम वीवीआईपी लाउंज और गेस्ट हाउस की फर्नीशिंग में खर्च किए गए, पर न टेंडर मंगाया गया और न यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट सुपुर्द किया गया। आयोजन समिति से जुड़े आरोपियों ने 1 करोड़ घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में खर्च करने का दावा किया गया, परंतु इन उड़ानों के लिए अनुमति ही नहीं ली गई। धनबाद में 1.160 करोड़ की लागत से स्क्वैश कोर्ट का निर्माण कराया गया। इसके लिए किसी कंपनी को ठेका देने के बजाय बगैर निविदा आमंत्रित किए एक खेल संघ को काम सौंप दिया गया। जिस टेनिस बॉल की कीमत 550 रुपए दर्जन थी, आयोजकों ने उसे 880 रुपए प्रति दर्जन में खरीदा। इसी तरह अन्य खेल सामग्रियों को ऊंची कीमत पर बिना किसी टेंडर के खरीदा गया।

तारा शाहदेव यौन उत्पीड़न केस: बचाव पक्ष ने फिर नहीं दी गवाहों की सूची

रांची : तारा शाहदेव से जुड़े यौन उत्पीड़न केस की सुनवाई आज रांची सीबीआई कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में हुई। सुनवाई में बचाव पक्ष ने कोर्ट को गवाहों की सूची नहीं दी। बचाव पक्ष ने फिस से गवाह प्रस्तुत करने के लिए कोर्ट से समय मांगा है। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी रंजित कोहली उर्फ रकिबुल हसन को 19 अप्रैल तक अपने गवाहों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए अंतिम समय दिया है। सीबीआई कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 अप्रैल की तारीख मुकर्रर की है। इस दिन आरोपियों की ओर से अपने गवाहों की सूची अदालत में सौंपी जायेगी।

सभी आरोपियों का दर्ज किया जा चुका है 313 का बयान

बता दें कि इससे पहले सभी आरोपियों का 313 का बयान दर्ज किया जा चुका है। सीबीआई ने इस मामले में 26 गवाह अदालत के समक्ष पेश किये हैं। रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल के साथ हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (विजिलेंस) बर्खास्त मुश्ताक अहमद व कोहली की मां कौशल रानी ट्रायल फेस कर रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने दो जुलाई 2018 को आरोप गठित किया था। सीबीआई ने इस केस को वर्ष 2015 में टेक ओवर किया था।

जेपीएससी परीक्षा: 6 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा हाईकोर्ट

रांची : सातवीं जेपीएससी के अभ्यर्थी सूरज कुमार रजक की रिट याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने सातवीं से लेकर दसवीं जेपीएससी परीक्षा को लेकर दायर सभी याचिकाओं को एक साथ सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की अदालत ने जेपीएससी से जुडी अलग-अलग 6 रिट याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 12 अप्रैल यानी बुधवार की तिथि निर्धारित की है। प्रार्थी सूरज कुमार रजक की ओर से अधिवक्ता सुभाशीष रसिक सोरेन ने हाईकोर्ट में पक्ष रखा। वहीं खढरउ की ओर से अधिवक्ता संजोय पिपरवाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा। प्रार्थियों ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्हें अपनी केटेगरी में कट ऑफ से ज्यादा अंक मिले हैं। लेकिन जेपीएससी ने उनके जाति प्रमाण पत्र को यह कहकर रद्द कर दिया है कि जाति प्रमाण पत्र विज्ञापन की शर्तों के अनुरूप नहीं था। जिसकी वजह से कई अभ्यर्थियों का चयन नहीं हुआ।

101 करोड़ घोटाले का आरोपी संजय तिवारी 25 मार्च को पहुंचा था रिम्स, सीसीटीवी में तस्वीरें हुई कैद

विशेष संवाददाता, रांची।

राज्य सरकार के मिड डे मील के खाते से 101 करोड़ रुपयों का घोटाला करने के मुख्य आरोपित संजय तिवारी को रिम्स के सीसीटीवी कैमरे में देखा गया है। रिम्स में वे 25 मार्च को पहुंचा था और वहां अपने कोविड जांच को लेकर रिम्स कर्मी से बातचीत करते हुए पाया गया है। संजय तिवारी जिस कर्मी से बात कर रहा था उसने ही फर्जी कोविड रिपोर्ट जारी किया था, जिसे बाद में वह गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। रिम्स में जिस वक्त संजय तिवारी को उक्त कर्मी के साथ देखा गया था उसमें अन्य लोग भी दिखे हैं। संजय तिवारी रिम्स के माइक्रोबायलाजी विभाग में भ्रमण करते हुए देखा गया है। रिम्स एचओडी डॉ अशोक शर्मा ने बताया कि जो भी फुटेज देखा गया है उस वीडियो की जो भी प्रक्रिया है, उसके तहत प्रबंधन काम कर रहा है। इन फुटेज में संजय तिवारी को साफ तौर पर देखा जा सकता है कि वो यहां के कर्मी से किस तरह बात कर रहा है।

तीन अप्रैल को संजय ने किया आत्मसमर्पण

मालूम हो कि संजय तिवारी ने ईडी की विशेष अदालत में तीन अप्रैल को आत्मसमर्पण कर दिया है। वह 25 मार्च से फरार चल रहा था, इस बीच उसके फर्जी कोविड रिपोर्ट का मामला सामने आया था, जिसमें रिम्स के माइक्रोबायलाजी विभाग के एक कर्मी और संजय तिवारी के स्टाफ की गिरफ्तारी की जा चुकी है। रिम्स के स्वास्थ्य कर्मियों की सांठगांठ पर सात हजार रुपये के लालच में फर्जी कोविड रिपोर्ट मिनटों में बना दिया गया। इस तरह की फर्जी रिपोर्ट पकड़े जाने पर रिम्स प्रबंधन ने बरियातू थाने में एफआईआर दर्ज कराया था। जिसके बाद रिम्स के माइक्रोबायलाजी विभाग के एक कर्मी प्रियरंजन रवि को गिरफ्तार किया गया।

संजय तिवारी के खिलाफ आरोप गठन 15 को

रांची : 100 करोड़ मिड डे मील घोटाला के आरोपी संजय तिवारी के खिलाफ 15 अप्रैल को आरोप गठन (चार्ज फ्रेम) होगा। संजय तिवारी के आरोप गठन से पहले रांची ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत में दोनों पक्षों की ओर से बहस की गयी। इसके बाद न्यायालय ने आरोप गठन के लिए 15 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि संजय तिवारी ने कुछ दिनों पूर्व ईडी कोर्ट में सरेंडर किया था। इसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है मिड डे मील के करीब 100 करोड़ एसबीआई धुर्वा ब्रांच से भानू कंस्ट्रक्शन के 34 खातों में अवैध तरीके से स्थानांतरित कर दिये गये थे। इसको लेकर पहले धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। बाद में मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथ ले ली। वर्ष 2021 में ईडी ने कांड संख्या ईसीआईआर 3/2021 दर्ज कर केस टेकअप किया है। संजय तिवारी के साथ राजू वर्मा और सुरेश कुमार भी इस केस में आरोपी है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में पांच को 20 साल की सजा

10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

वरीय संवाददाता, रांची।

पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की कोर्ट ने सोमवार को सामूहिक दुष्कर्म मामले के दोषी बुंडू निवासी पांच युवकों लोगों को 20-20 साल की सजा सुनायी है। साथ ही चार अभियुक्तों पर 20-20 हजार एवं नाबालिग युवक पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

दरअसल, सामूहिक दुष्कर्म की घटना 29 जनवरी 2019 को बुंडू थाना क्षेत्र के अहीर टोला में अंजाम दिया गया था। घटना को लेकर पीड़िता ने बुंडू महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। घटना के बाद ही पुलिस ने आरोपी राजू अहीर, अमित अहीर, शरनागत अहीर, पंकज अहीर एवं एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया था। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से पीड़िता, डॉक्टर, एफएसएल अधिकारी सहित नौ गवाहों को प्रस्तुत किया गया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने राजू अहीर, अमित अहीर, शरनागत अहीर, पंकज अहीर एवं एक नाबालिग को 3 अप्रैल को दोषी ठहराया था। मंगलवार को कोर्ट ने पांच लोगों को 20-20 साल की सजा के साथ चार अभियुक्तों पर 20-20 हजार व नाबालिग पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना की सजा सुनायी।

पुलिस जैसी वर्दी पहनने वाली इंफोर्समेंट टीम को लेकर आरटीआइ की प्रथम अपील दायर

निगम ने निर्धारित समय पर नहीं दी थी स्पष्ट सूचना

द फोटोन न्यूज संवाददाता, रांची।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत निर्धारित 30 दिनों की समयावधि में सूचना नहीं देने पर आवेदक दीपेश कुमार निराला ने जन सूचना पदाधिकारी सह सहायक नगर आयुक्त, रांची नगर निगम के विरुद्ध प्रथम अपीलीय प्राधिकारी सह अपर नगर आयुक्त, रांची नगर निगम कुंवर सिंह पाहन के प्राधिकार में प्रथम अपील दायर किया है। बताते चलें कि रांची में कार्यरत रांची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम से संबंधित सूचनाओं की मांग की गई थी, जिसमें उनकी नियुक्ति का प्रावधान और उनका पुलिस के समान हु-ब-हू खाकी वर्दी पहनाए जाने का नियम और इनके द्वारा नागरिकों से वसूला जा रहा जुमार्ना का पूरा ब्यौरा एवं यह किस मद में समायोजित हो रहा है, एवं मेयर द्वारा इनके कार्यों की समीक्षा उपरांत 12 इंफोर्समेंट टीम के पदाधिकारियों को चिन्हित करते हुए दिए गए कार्रवाई के निर्देश के आलोक में कुल 09 बिंदुओं पर सूचनाओं की मांग की गई थी। सूचना आवेदक दीपेश कुमार न्यायालय ने कहा है कि वह विधि के तहत उपलब्ध सभी उपचारों का प्रयोग करते हुए रांची नगर निगम के उक्त सूचना तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करेंगे।

कोरोना को लेकर रिम्स में मॉक ड्रिल

वरीय संवाददाता, रांची।

कोविड 19 के मामलों में वृद्धि को लेकर रिम्स में तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को मॉक ड्रिल किया गया। इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर में डमी मरीज के भर्ती, स्थानांतरण से लेकर विभिन्न जांचों को कराने की तैयारी का जायजा लिया गया। मॉक ड्रिल के समय चिकित्सा अधीक्षक डॉ हिरेंद्र बिरूआ, चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, डॉ देवेश कुमार, चीफ मेडिकल ऑफिसर सहित अन्य चिकित्सक मौजूद थे। इसके अलावा कोविड आइसोलेशन वार्ड, मल्टी स्टोरी पार्किंग स्थित वार्ड का भी जायजा लिया। मॉक ड्रिल के जरिये बिस्तरों, ऑक्सीजन और अन्य स्वास्थ्य देखभाल संबंधी साजो-सामान की उपलब्धता सहित कोविड को लेकर की गई तैयारियों का निरीक्षण किया गया।

डीजीपी अजय कुमार सिंह से मिला झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधिमंडल

विधि व्यवस्था में सुधार को पुलिस-व्यापारी समन्वय का होना जरूरी

वरीय संवाददाता, रांची।

डीजीपी को मोमेंटो देते झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल • फोटोन न्यूज

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में मंगलवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में विधि व्यवस्था में गुणात्मक सुधार के लिए कई सुझाव दिये। डीजीपी अजय कुमार सिंह से मुलाकात के दौरान लॉ एण्ड ऑर्डर उपसमिति के चेयरमैन प्रवीण लोहिया ने एसपी के नेतृत्व में सभी जिलों में चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से पुलिस-व्यापारी समन्वय समिति की बैठक आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण रखने में प्रशासन का सहयोग करेंगे। रांची नगर निगम के इनफोर्समेंट कर्मियों की ओर से खाकी वर्दी के उपयोग से लोगों के बीच बन रही भ्रम की स्थिति पर भी प्रतिनिधिमंडल ने चिंता जताई। मौके पर सह सचिव रोहित पोद्दार ने ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि तत्कालीन डीआईजी ने भी इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए प्रश्नचिन्ह लगाया था। उन्होंने इस मामले में अग्रतर कार्रवाई की जानकारी लेते हुए इसे तुरंत बंद करने का आग्रह किया। इसपर डीजीपी ने उचित विचार के लिए आश्वस्त किया। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने गिरिडीह में चार वर्षों से आरंभ किये गये ट्रैफिक थाना में अब तक प्रशिक्षित ट्रैफिक पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति नहीं होने से हो रही समस्याओं से भी अवगत कराया और गिरिडीह में प्रशिक्षित ट्रैफिक पुलिस बल की नियुक्ति का आग्रह किया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त व्यवसायिक वाहनों की जांच में थाना स्तर पर होने वाले विलंब पर भी चर्चा की गई। प्रदेश के कई जिलों के ऑटो रिक्शा ऑनर्स से लेकर बस ऑनर्स और ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन के सदस्यों की ओर से नियमित रूप से चैंबर के समक्ष इस विषय पर चिंता जताई जाती है। बैठक के दौरान टाइगर मोबाइल को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर देते हुए प्रतिनिधिमंडल ने राज्य स्तर पर सभी जिलों में पुनः बड़े रूप में टाइगर मोबाइल गश्ती सेवा को चालू करने की मांग की। होटल संचालकों की दैनिक रिपोर्ट थाना में भौतिक रूप से जाकर जमा करने से होनेवाली परेशानियों पर भी चर्चा की गई।

ब्रीफ न्यूज

सिविल कोर्ट के अधिवक्ता के साथ मारपीट, थाना में मामला दर्ज

रांची : रांची सिविल कोर्ट के एक अधिवक्ता के साथ मारपीट का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। अधिवक्ता का नाम इमरान खान बताया गया है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता के घर में घुसकर एक केस को छोड़ने की पहले धमकी दी। जब वह नहीं माने तो वकील के साथ उसकी पत्नी और घर के अन्य सदस्यों के साथ भी बदसलूकी की गई। इस संबंध में अधिवक्ता इमरान खान की पत्नी ने लोअर बाजार थाना में शिकायत दी है। थाना में दिए अपने आवेदन में उन्होंने बताया कि गुदड़ी चौक और आजाद बस्ती के मो. इबरार और अन्नू खान कुछ युवकों के साथ उनके घर में जबरन घुस आए और अधिवक्ता इमरान को खोजने लगे। इस बीच अधिवक्ता इमरान भी घर पहुंच गए, तब उक्त लोगों ने उनके पति और घर के अन्य सदस्यों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। इस घटना में वकील के घर के सदस्य भी घायल हुए हैं। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि जमीन से जुड़ा मामला है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगा रहे हैं

रिम्स गर्ल्स हॉस्टल में लगी आग, पाया गया काबू

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के गर्ल्स हॉस्टल नंबर 2 में दोपहर को आग लग गयी। मिली जानकारी के मुताबिक, हॉस्टल परिसर के पीछे ट्रांसफार्मर में काम चल रहा था। इसी दौरान शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। हालांकि आग कैसे लगी है, इसकी जांच की जा रही है। कर्मचारियों ने इसकी सूचना फौरन वरीय अधिकारियों को दी। जिसके बाद फायर एक्सटिंग्विशर के सहारे आग पर काबू पाया गया। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी डॉ राजीव रंजन ने कहा कि जिस वक्त हॉस्पिटल नंबर दो परिसर में आग लगी, उस वक्त मॉक ड्रिल चल रहा था। रिम्स के वरीय अधिकारी और अग्निशमन विभाग के लोग भी मॉक ड्रिल में शामिल थे। आगलगी की जानकारी मिलते ही हॉस्टल में पहुंचकर आग पर काबू पाया गया। हालांकि किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। पीआरओ डॉ राजीव रंजन ने कहा कि रिम्स परिसर में अग्निशमन की मुकम्मल व्यवस्था की जायेगी। इसके लिए 55वीं शासी परिषद की बैठक में अग्निशमन व्यवस्था दुरुस्त करने के प्रस्ताव को पारित किया गया है। फिलहाल हॉस्टल में फायर फाइटिंग के लिए फायर एक्सटिंग्विशर लगाये गये हैं।

गिरफ्तार व्यक्तियों का टीपीसी से संबंध नहीं

रांची : झारखंड की लातेहार पुलिस के गिरफ्तार दो व्यक्तियों के टीपीसी से संबंध होने के दावे पर नक्सली संगठन ने सवाल खड़ा किया है। तृतीय प्रस्तुत कमेटी (टीपीसी) के दक्षिणी सब जोनल ब्यूरो जितेंद्र ने इस संबंध में आज (मंगलवार) प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। इसमें दावा किया गया है कि लातेहार पुलिस ने जिन दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, उनका संगठन से कोई संबंध नहीं है। पुलिस टीपीसी को अपराधियों से जोड़ रही है। संगठन का किसी भी आपराधिक गिरोह से लेना देना नहीं है। नक्सली संगठन की विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि इन दिनों टीपीसी के नाम पर ठेकेदारों और कारोबारियों को धमकाया जा रहा है। ऐसे लोगों को टीपीसी ने चिह्नित किया है। यह काम पोचरा का शमसाद अंसारी, जान्हो मतनाग का नंदू शर्मा, कोकी का भीम पासवान और महुआडाड़ का मंजर खान कर रहे हैं।

atomy ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हथियारबंद लुटेरों ने एलआईसी कार्यालय के बाहर किया हमला, 29 लाख रुपए लूटे

- बैंक में रकम जमा करने के जा रहे थे सुरक्षाकर्मी
- एक दर्जन से अधिक थे हमलावर
- गोली लगने से एक सुरक्षाकर्मी घायल, सदर अस्पताल में भर्ती

संवाददाता, रामगढ़।

रामगढ़ शहर में दिनदहाड़े मंगलवार को लुटेरों ने हथियार के बल पर एलआईसी का 29 लाख रुपए लूट लिया। एलआईसी में जमा इस रकम को बैंक में डालने के लिए सुरक्षाकर्मी ले जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद अपराधियों ने उन पर हमला किया और रुपयों से भरा बैग लेकर चंपत हो गए। आधा दर्जन से अधिक बाइक पर सवार लगभग 10 से 15 नकाबपोश अपराधियों ने इस वारदात को अंजाम दिया है।

घटनास्थल के पास मुआयना करती पुलिस व जमा भीड़। ● द फोटोन न्यूज

रामगढ़ एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि एलआईसी ऑफिस से 29 लाख 34 हजार 797 रुपए लेकर एसआईएस कंपनी के सुरक्षाकर्मी और कैश अधिकारी आईडीबीआई बैंक जा रहे थे। पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने एलआईसी ऑफिस से बाहर निकलते ही सुरक्षाकर्मियों और कैश अधिकारी पर हमला कर दिया। अपराधियों के पास हथियार थे और उन लोगों ने 4-5 राउंड गोली भी चलाई। घटनास्थल से पुलिस को दो खोखा बरामद हुआ है। इस वारदात में एक कैश अधिकारी प्रेम कुमार मिश्रा को गोली लगी है।

इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल वे खतरे से बाहर है। अपराधियों ने एक अन्य कैश अधिकारी संतोष कुमार पांडे पर भी गोली चलाई थी। लेकिन वे बाल-बाल बचे। अचानक हुई गोलीबारी से घबराए सुरक्षाकर्मी और कैश अधिकारी ने भागकर अपनी जान बचाई। इस दौरान रुपयों से भरा बैग सड़क पर ही छोड़ दिया। जिसे लेकर सभी लुटेरे फरार हो गए। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पूरे जिले में नाकेबंदी कर दी गई है।

कोरोना से निपटने को लेकर जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर मॉक ड्रिल किया गया

संवाददाता, मेदिनीनगर।

कोरोना के संभावित प्रसार को जिले में विफल करने व तैयारियों को परखने के उद्देश्य से मंगलवार को जिले के लेस्लीगंज, पाटन, चैनपुर, सदर, मनातू और हरिहरगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मॉक ड्रिल किया गया।

लेस्लीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हुई मॉक ड्रिल का जायजा लेने उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे भी पहुंचे। यहां उन्होंने मॉक ड्रिल के दौरान बेड पर ऑक्सीजन की सप्लाई, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की उपलब्धता व अन्य आवश्यक व्यवस्था आदि का जायजा लिया। रिहर्सल के बाद उपायुक्त दोड्डे ने कहा कि कोरोना से निपटने के लिए पलामू पूरी तरह से तैयार है।

मॉकड्रिल के दौरान उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर व्यवस्थाओं और स्वास्थ्यकर्मियों की चुस्ती का आकलन किया गया। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को जिले में संभावित मरीजों की टेस्टिंग कराने पर बल दिया। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना से हमको, आपको हम सभी को को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी लोगों से मास्क पहनने की अपील की है। वहीं आवश्यकता ना हो तो भीड़ से दूर रहने की भी अपील की है। उन्होंने लोगों से फेस मास्क, नियमित रूप से हैंडवाश करने तथा किसी भी प्रकार से अस्वस्थ जैसे सर्दी-खांसी, बुखार इत्यादि जैसे लक्षणों को अनदेखा न करते हुए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या उप स्वास्थ्य केंद्र में कोविड टेस्ट कराने और अपने परिवार को सुरक्षित रखने की अपील की।

मॉक ड्रिल में शामिल स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारी। ● द फोटोन न्यूज

सेंट्रल सौंदा में महात्मा ज्योतिबा फुले की मनायी गयी 196वीं जयंती

संवाददाता, भुरकुंडा (रामगढ़)।

माली मालाकार कल्याण समिति के तत्वावधान में सेंट्रल सौंदा स्थित माली मालाकार कल्याण समिति के जिला सचिव उदय मालाकार के आवासीय कार्यालय में मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले का 196वीं जयंती मनायी गयी।

कार्यक्रम की शुरूआत महात्मा ज्योतिबा फुले के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का भी आहवान किया गया। मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करते हुए वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न से नवाजा जाए इसके लिए पहल करें। 19वीं सदी के जन महानायक महान समाज सुधारक के मरणोपरांत तो सम्मान मिलना ही चाहिए। ऐसा होने से समाज सदैव आपसबों का शुक्रगुजार रहेगी। साथ ही आज के दिन को अवकाश के रूप में पूरे देश में मनाया जाए। जिससे कि महात्मा ज्योतिबा फुले के मरणो उपरांत इतने वर्षों बाद भी उनकी आत्मा को शांति मिल सके।

मौके पर माली मालाकार कल्याण समिति के जिला सचिव उदय मालाकार, धनंजय कुमार मालाकार, रामकृपाल मालाकार, नंदू मालाकार, गौतम मालाकार, प्रिंस कुमार मालाकार, सौरभ कुमार मालाकार सहित कई लोग मौजूद थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले के जयंती के अवसर पर मौजूद लोग। ● द फोटोन न्यूज

संत मरियम स्कूल में नई शिक्षण तकनीक को लेकर शिक्षकों की हुई बैठक

बेहतर पढ़ाई के लिए शिक्षकों की मीटिंग आवश्यक : अविनाश देव

संवाददाता, मेदिनीनगर।

संत मरियम स्कूल में नई शिक्षण तकनीक को लेकर मंगलवार को शिक्षकों की एक बैठक हुई। बैठक में नई शिक्षा नीति, सरकार के दिशा निर्देश, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के मानकों पर खरा उतरने एवं पिछले सत्र की कमजोरियों पर समीक्षा की गई।

इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन विनाश देव ने कहा कि बच्चों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए समय-समय पर शिक्षकों के साथ मीटिंग और प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है। प्रशिक्षण के पश्चात नई ऊर्जा और जोश के साथ सभी शिक्षक विद्यार्थियों को नई-नई तकनीक हेतु प्रेरित करते है । विद्यालय के प्राचार्य कुमार आदर्श ने कहा कि हम सभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में बच्चों के बौद्धिक विकास, छात्रों में पढ़ाई के प्रति रुचि कैसे जगे और मानक अनुरूप विद्यालय कैसे आगे बढ़े आदि को लेकर नए पुराने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिस्पर्धा के दौर में विद्यालय को शीर्ष मुकाम पर बनाये रखने के लिए भी मंथन किया गया। संत मरियम विद्यालय के तमाम शिक्षकों ने एक सुर में विद्यालय के प्रति समर्पण और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है।

बैठक में शामिल शिक्षक। ● द फोटोन न्यूज

पूर्व मुखिया जगदीश बेदिया के खेत में लगी आग, 3 लाख का हुआ नुकसान

संवाददाता, भुरकुंडा रामगढ़।

भदानीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत खेत में आग लग गई। घटना से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार महुआ टोला चौकियाटांड़ में मंगलवार को पूर्व मुखिया जगदीश बेदिया के खेत में अचानक आग लग गई। जिससे खेत में लगे फसल, सूखे पेड़-पौधे, मोटर व पानी के पाइप जल कर खाक हो गया। आग की लपटें इतनी भयंकर थी कि आसपास के कई एकड़ खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों की तत्परता से पानी डालकर आग पर काबू पा लिया गया।

वहीं आग खेतों में कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पीड़ित जगदीश बेदिया का कहना है कि इस अग्निकांड में लगभग तीन लाख का नुकसान हुआ है। इधर घटना की खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंच मामले की जांच में जुट गई है।

चतरा में तीन थाना प्रभारी सहित कई अवर निरीक्षकों का तबादला

संवाददाता, चतरा।

चतरा एसपी राकेश रंजन ने डेढ़ दर्जन से अधिक पुलिस अवर निरीक्षकों का तबादला किया है। विधि-व्यवस्था की दृष्टिकोण से तीन थाना प्रभारियों का भी तबादला किया गया है। इसमें राजपुर, गिद्धौर और कुंदा थाना के प्रभारी शामिल हैं। तबादले की सूची एसपी की गोपनीय शाखा ने जारी की है।

सदर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक कौशल कुमार सिंह को कुंदा का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। पुलिस केंद्र में पदस्थापित एसआई बिनोद कुमार को राजपुर थाना का दारोमदार सौपा गया है। पिपरवार थाना में तैनात कन्हैया यादव को गिद्धौर थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सदर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक दिनेश हेंब्रम को टंडवा, कुंदा थाना के मुकेश कुमार को मयूरहंड, मयूरहंड थाना के श्रीराम पंडित को सदर, लावालौंग से भोलानाथ प्रमाणिक को सिमरिया, पुलिस केंद्र में तैनात सोनिया सोए को सदर, गिद्धौर में पदस्थापित पुरुषोत्तम लागोरी को कुंदा, विकास सेठ को लावालौंग, सदर में तैनात हिमांशु शेखर को गिद्धौर, सिकंदर सिंकु को प्रतापपुर, वशिष्ठनगर जोरी में पदस्थापित दीपक रजक को सदर व पुलिस केंद्र में तैनात देव कुमार होरो को वशिष्ठनगर जोरी थाना में नई पोस्टिंग दी गई है। इसके अलावा कई अन्य पुलिस अवर निरीक्षकों की भी विभिन्न थानों में प्रतिनियुक्ति हुई है। गिद्धौर थाना प्रभारी मनोज पॉल व राजपुर थाना प्रभारी विकास पासवान को सदर थाना का जेएसआई बनाया गया है। कुंदा थाना प्रभारी परमानंद मेहरा प्रोमोशनल प्रशिक्षण में भेजे गए हैं।

बरका सयाल क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं का सीसीएल वेलफेयर बोर्ड के सदस्यों ने किया निरीक्षण

संवाददाता, भुरकुंडा रामगढ़।

बरका सयाल क्षेत्र में सीसीएल वेलफयर बोर्ड मुख्यालय द्वारा विभिन्न परियोजनाओं में मंगलवार को निरीक्षण कर वेलफेयर से संबंधित कार्यों का जायजा लिया गया। निरीक्षण टीम में बोर्ड सदस्य सुखदेव प्रसाद, विन्ध्याचल बेदिया, मुख्यालय से पसर्नल मैनेजर वेलफेयर विभाग अभिराज कुमार शेखर, अमन उज्जवल, टी प्रमाणिक, अमरेन्द्र कुमार, टीक वासक, कार्मिक प्रबंधक वंदना लाला, रश्मि इला खलखो, कविंद कुमार, महाप्रबंधक लक्ष्मी सहित अन्य शामिल थे।

वेलफेयर सदस्यों ने वाटर वर्कस पतरातू में वाटर वर्कस फील्टर प्लांट का कायाकल्प के लिये दी गई मेकन निविदा कार्य का जायजा लिया गया। मेकन के अधिकारियों ने कहा कि दिसम्बर 2023 तक काम को पूरा कर सीसीएल को हेन्ड ओवर कर दिया जायेगा। इसके बाद भुरकुंडा परियोजना के जवाहरनगर और थाना मैदान का निरीक्षण किया गया।

सदस्यों में पाया कि जवाहरनगर में नाली जाम की स्थिति काफी भयावह है। जिस ठिकेदार को काम दिया गया है वह ठीक से काम नहीं कर रहा है। इसकी शिकायत जीएम बरका-सयाल को किया गया है। इसके बाद भुरकुंडा अस्पताल, उरीमारी और बिरसा परियोजना के एसी कैन्टीन का निरीक्षण किया। साथ ही प्रबंधन को एक सप्ताह के अन्दर एसी ठीक करने को कहा गया। उरीमारी और बिरसा परियोजना के डिस्पेन्सरी का मजदूरों की मांग पर अन्डर ग्राउन्ड माइंस के खान प्रबंधक कार्यालय भवन शिफट की बात पर सहमति बनी। वहीं हिल व्यू स्टेडियम के नाली की मरम्मति और साफ सफाई का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के बाद सदस्यों ने महाप्रबंधक के साथ बैठक कर उक्त कार्यो को पुरा कराने की अपील की।

निरीक्षण करते वेलफेयर बोर्ड सदस्य। ● द फोटोन न्यूज

सौंदा डी में खिलाड़ियों के बीच हुआ फुटबॉल किट का वितरण

खेल को बढ़ावा के लिए हर कदम उठाया जायेगा : महतो

संवाददाता, भुरकुंडा रामगढ़।

मुख्यमंत्री फुटबॉल आमंत्रण प्रतियोगिता के तहत सौंदा डी पंचायत के जयनगर मैदान में खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल किट का वितरण किया गया। फुटबॉल किट का वितरण पतरातु प्रखंड विकास पदाधिकारी हरीनाथ महतो, पंचायत के मुखिया उपेंद्र शर्मा, पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू पांडे, प्रधान सहायक चितरंजन कुमार, पंचायत सेवक नरेश हजाम, नाजिर दीपक दास ने किया।

मौके पर बीडीओ हरीनाथ महतो ने कहा कि प्रखंड के खिलाड़ियों को खेलने के लिए और प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।

श्री महतो ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन कर खेलों में भी कैरियर बनाया जा सकता है। मुखिया उपेंद्र शर्मा ने कहा कि पंचायत में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कमी नहीं है संसाधन उपलब्ध कराकर इनकी प्रतिभा को और निखारा जाएगा। इसके पूर्व जनप्रतिनिधियों ने ने बीडीओ श्री महतो को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

मौके पर लक्की, प्रेमदीप कुमार, रोहित कुमार सिंह, रोहित कुमार मुंडा, निखिल कुमार, प्रवीण नायक, प्रदीप दास, रोशन चैधरी, कल्लू राम, धीरज कुमार, चंदन कुमारआदि खिलाड़ी मौजूद थे।।

अतिथियों के साथ खिलाड़ी। ● द फोटोन न्यूज

सड़क दुर्घटना में स्कूली बच्चे की मौत

संवाददाता, रजरप्पा

चितरपुर के मारंगमरचा गांव में सड़क दुर्घटना में एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया। बताया गया कि मागरमरचा निवासी छात्र रवि कुमार, पिता जगदीश महतो, राधा कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल का कक्षा सात का छात्र था। वह सुबह आठ बजे अपने घर से साईकिल से स्कूल जा रहा था। इसी बीच रामगढ़-बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग 23 के चितरपुर के मरंगमरचा गांव के समीप ही एक ट्रक एलपी खल02अ88614 के चपेट में आ गया। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने रामगढ़-बोकारो मार्ग को जाम कर दिया।

वहीं घटना की जानकारी मिलने पर रजरप्पा थाना प्रभ्रारी हरिनन्दन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे एवं ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। इस दुर्घटना के कारण रामगढ़-बोकारो मार्ग लगभ्राग 3 घंटे तक बाधित रहा। जिला प्रशासन और पुलिस के समझाने के बाद ग्रामीणों ने रोड जाम को हटाया। तब जाकर आवागमन सामान्य हुआ। इससे पहले सड़क जाम के कारण बोकारो से रामगढ़ आने वाले और रामगढ़ से बोकारो की ओर जाने वाले सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे। इससे वाहनों की कई किलोमीटर तक कतार लग गयी थी।

ब्रीफ न्यूज

जनता दरबार में आए दर्जनों मामले

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय के जनता दरबार में मंगलवार को तीन दर्जन से अधिक मामलों के आवेदन आए। जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं से निष्पादन की आस लिए लोगों की फरियाद को सुनकर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जांचोपरांत न्याय संगत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में फरियादियों ने आम गैर मजुरूआ रास्ता में जबरन मकान बनाने के संबंध में, एलपीसी निर्गत करने, पारिवारिक विवाद निपटारा, अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान आदि के कई मामले आए। उपायुक्त ने आवेदनों को मार्क कर संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निष्पादन के आदेश दिए।

आजसू ने अमर शहीद सिदो-कान्हू की मनायी जयंती

सिदो-कान्हू की मनायी जयंती मनाते आजसू कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

मेदिनीनगर : ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) की पलामू इकाई के नेतृत्व में मंगलवार को अमर शहीद सिदो-कान्हू की जयंती मनायी गयी। केन्द्रीय सचिव सह गढ़वा जिला प्रभारी सतीश कुमार के आवासीय कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में शहीद की फोटो पर माल्यार्पण कर और एक मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर सतीश कुमार ने कहा कि भारत में ईस्ट इन्डिया कम्पनी के आने के बाद अंग्रेजों ने अपना अधिपत्य जमाने लगे थे। अंग्रेज महिलाओं की इज्जत से खिलवाड़, आदिवासियों का जमीन हड़पना, बेतहाशा लगान वसूल कर प्रताड़ित करते थे। ऐसे में सिदो- कान्हू चान्द भैरव और फुलो झानो भाई व बहनों ने अंग्रेजी हुकुमत को चुनौती देने का संकल्प लिया और पारम्परिक हथियारों से युद्ध की शुरूआत की थी। उन्होंने 50 हजार लोगों की फौज बनाकर अंग्रेजी हुकुमत को खदेड़ना शुरू किया था। मगर अंग्रेजों साजिश कर उन्हें गिरफ्तार किया और फिर उनकी हत्या कर दी थी। आज भी उनकी लडाई की कहानी का संथाल परगना के साहेबगंज का भोगनाडीह गांव संथाल हुल का गवाह है। केन्द्रीय सचिव विकेश शुक्ला ने कहा कि जयंती पर संकल्प लेने की जरूरत बतायी। कार्यकारी अध्यक्ष संतन मेहता ने कहा कि सिद्धू कान्हू की जयंती पर खुशहाल राज्य के सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ना होगा। बुद्धिजीवी मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि संथाल हुल के नायकों से हम सबक लें। केन्द्रीय सचिव विजय मेहता ने कहा कि हम लड़ाई का नेतृत्व कर सिदो-कान्हू के आदर्श को स्थापित करने का संकल्प लें।

13 मई को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, प्रधान जिला जज ने की तैयारियों की समीक्षा

खूंटी : खूंटी व्यवहार न्यायालय में 13 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने की। बैठक में न्यायिक पदाधिकारी के अलावा विभिन्न विभागों जैसे वन विभाग विद्युत विभाग, उत्पाद विभाग के अधिकारी शामिल हुए। प्रधान जिला जज ने सभी विभागों के अधिकारियों और न्यायिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निष्पादन कराने में सहयोग करें और वैसे लोग जिनका मामला न्यायालय में लंबित है और वाद सुलहनीय है। वे भी अपने वादों का निष्पादन करा सकेंगे। प्रधान जिला जज ने लोगों से अपील की है कि वे मामलों के निष्पादन के लिए यवहार न्यायालय पहुंचें और न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन कराएं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव मनोरंजन कुमार ने बताया कि 13 मई को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां जोरों पर है और इसमें पांच हजार से अधिक मामलों का निष्पादन होने की संभावना है।

दोस्तों ने ही की थी आनंद की हत्या, अयोध्या से आरोपी गिरफ्तार

धनबाद : नगर के तीसरा थाना क्षेत्र में हुई बहुचर्चित आंनद वर्मा हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लेने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के दोस्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आनंद की हत्या उसके दो दोस्तों ने ही की थी। बाद में एक आरोपित ने खुद को दोषी मानकर आत्महत्या कर ली थी। धनबाद एसएसपी संजीव कुमार ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 मार्च को आनंद वर्मा अपने घर से लापता हो गया थे। इसके बाद उसके घरवालों ने पुलिस को इसकी सूचना दी थी। इसी बीच 3 अप्रैल को तीसरा थाना क्षेत्र के एक बंद कोयला खदान से पुलिस ने सड़ी-गली हालात में एक शव बरामद किया था। मृतक के कपड़ों और उसके पांव में लगे रॉड के आधार पर उसकी शिनाख्त आनंद वर्मा के रूप में की गई थी। इसके बाद जांच में पता चला कि उसकी हत्या दो लोगों ने मिलकर की थी। इन आरोपित दोस्तों में एक डोमा भुइयां को पुलिस ने अयोध्या से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में दूसरे आरोपित सूरज भुइयां ने 31 मार्च को आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के अनुसार यह तीनों दोस्त थे। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित ने पूछताछ में यह कबूल किया है कि यह तीनों कोयला चोरी करने निकले थे। नशा करने के दौरान मृतक आनंद और इन दोनों के बीच पहले कहा सुनी हुई। फिर मामला बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान एक ने आनंद के सिर पर पत्थर से वार कर दिया, जिससे आनंद वही गिर गया। इसके बाद दोनों आरोपितों ने पुलिस से बचने के लिए आंनद के शव को कोयला खदान में फेंक दिया। पुलिस के अनुसार बाद में सूरज भुइयां ने इस बात की चर्चा अपने घर वालों से की थी। इसके बाद उसने खुद को दोषी मानते हुए आत्महत्या कर ली थी, जबकि दूसरा आरोपित डोमा भुइयां भागकर अयोध्या चला गया था। जहां से पुलिस उसे गिरफ्तार कर धनबाद ले आई है।

डीसी ने किया खूंटी जिला राइफल क्लब का उद्घाटन

खूंटी : उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि खूंटी की धरती खेल के लिए जानी जाती है। लगातार नये-नये खेल भी खूंटी में आ रहे हैं। जिलेवासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि जिले में राइफल क्लब की शुरूआत हुई है। इससे जिलेवासियों को नया खेल मिलेगा। इसका बहुत ही सकारात्मक रिस्पांस है। उपायुक्त मंगलवार को खूंटी हेल्थ क्लब परिसर में जिला प्रशासन द्वारा शुरू किये गये खूंटी जिला राइफल क्लब का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। डीसी ने कहा कि यहां साई से प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिला प्रशासन नये-नये खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। आनेवाले दिनों में यहां से राइफल, आर्चरी सहित अन्य खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकलेंगे और खूंटी जिले का नाम रोशन करेंगे। इससे पहले उन्होंने फीता काटकर खूंटी जिला राइफल क्लब का उद्घाटन किय। इस अवसर पर एसपी अमन कुमार, डीडीसी नीतीश कुमार सिंह, एसडीओ अनिकेत सचान और नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रवि प्रकाश ने भी राइफल और पिस्टल से निशाना साधा। उन्होंने राइफल क्लब कोच सह सचिन अनुज कुमार से खेल के विषय में जानकारी हासिल कीऔर शुभकामनाएं दी। मौके पर हॉकी खूंटी की वरीय उपाध्यक्ष अपर्णा हंस, जिला क्रिकेट संघ के सचिव अवधेश कश्यप, देवा हस्सा, आर्चरी के बसंत कुमार, राष्ट्रीय खिलाड़ी अर्जुन गंझू, विश्वकर्मा उरांव सहित अन्य उपस्थित थे।

हेमंत हटाओ झारखंड बचाओ का नारा हुआ बुलंद

सांसद जयंत सिन्हा ने झारखंड सचिवालय घेराव प्रदर्शन में किया हजारों कार्यकर्ताओं का नेतृत्व

संवाददाता, रामगढ़।

माननीय सांसद सह अध्यक्ष वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति श्री जयंत सिन्हा जी के नेतृत्व में हजारीबाग व रामगढ़ से 10,000 से अधिक कार्यकर्ता रांची पहुंचे। इस काफिले में 600 से अधिक वाहन थे।जेएमएम-कांग्रेस सरकार ने जगह-जगह भाजपा नेताओं व कार्यकताओं को रोकने की कोशिश की। इन सभी बाधाओं को पार करते हुए कार्यकताओं ने पूरे जोश के साथ रांची में धरना-प्रदर्शन किया।

झारखण्ड सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए लोकतांत्रिक रूप से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकताओं पर लाठी चार्ज, आंसू गैस व वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। साथ ही कई नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार भी किया गया। इन सभी प्रयासों के बावजूद भी भाजपा का झारखण्ड सचिवालय घेराव प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा।

श्री जयंत सिन्हा जी हजारीबाग व रामगढ़ से लेकर रांची तक कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते रहे। यदि कोई कार्यकर्ता घायल हुआ तो उन्होंने उसे उपचार हेतु तुरंत अस्पताल भेजने की व्यवस्था की। अपने सांसद की ऊर्जा देखकर कार्यकताओं का जोश दोगुना हो गया।

श्री जयंत सिन्हा जी ने कहा कि हजारीबाग व रामगढ़ समेत पूरे राज्य में 'हेमंत हटाओ, झारखण्ड बचाओ' का स्वर गूंज रहा है। हमें जेएमएम-कांग्रेस की निकम्मी सरकार के झूठ, लूट, अत्याचार, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण व तानाशाही से राज्य को बचाना है। रांची में हुए इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने पूरे देश में यह संदेश दे दिया है कि झारखण्ड में अब परिवर्तन होने जा रहा है। भाजपा को जनता का भरपूर सहयोग व समर्थन मिल रहा है। झारखण्ड को कुमार्ग से बचाकर सुमार्ग पर लाने के लिए हमारा यह संघर्ष जारी रहेगा।

श्री जयंत सिन्हा जी ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि 2024 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, माननीय भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी व माननीय भाजपा, झारखण्ड अध्यक्ष श्री दीपक प्रकाश जी के नेतृत्व में प्रचंड जीत हासिल होगी। झारखण्ड में डबल इंजन सरकार बनेगी जो राज्य को प्रगति व सुशासन के मार्ग पर ले जाएगी। अंत में उन्होंने इस प्रदर्शन को सफल व ऐतिहासिक बनाने हेतु हजारीबाग व रामगढ़ समेत झारखण्ड के समस्त भाजपा कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

अग्निपथ को हरी झंडी

भारत में सैन्य भर्ती की चर्चित योजना अग्निपथ को देश की सर्वोच्च अदालत ने भी हरी झंडी दिखा दी। इसके साथ ही अब लगभग तय हो गया कि अग्निवीर हमारे समय का एक सत्य है और इसके साथ देश को आगे बढ़ना है। कुछ विपक्षी पार्टियां यह जरूर बोल रही हैं कि वे सत्ता में आईं, तो इस योजना को खत्म कर देंगी, लेकिन यह काम अब आसान नहीं है। राजनीति करने के सिद्धांतों और सरकार चलाने की व्यावहारिकता में बहुत अंतर है। विपक्ष के पास अगर इस योजना के खिलाफ पुख्ता दलील होती, तो वह आवाज बेशक सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचती। अब सुप्रीम कोर्ट ने दो अपील को खारिज करते हुए केंद्र की अग्निपथ योजना की वैधता की पुष्टि की है और कह दिया है कि यह योजना मनमानी नहीं है। फरवरी में दिल्ली उच्च न्यायालय ने अग्निपथ योजना की वैधता को कायम रखा था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि यह योजना राष्ट्रहित में तैयार की गई है। हालांकि, लोकतांत्रिक भारत में इस योजना को किसी नए आधार पर अदालत में चुनौती दी जा सकती है। ऐसी ही एक याचिका उच्च न्यायालय में लगाई गई है, जिसमें वायुसेना में अग्निपथ स्कीम का विरोध किया गया है। इस पर सुनवाई 17 अप्रैल को है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है कि जब कोई अदालत किसी याचिका को किसी नए आधार पर स्वीकार करती है, तो राज्य सरकार या केंद्र सरकार से जवाब मांगा जाता है। मतलब, अभी भी संघर्ष जारी है, अग्निपथ का विरोध करने वालों को अकाट्य तर्कों के साथ सामने आने होगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि पुरानी सैन्य भर्ती ज्यादा अच्छी थी, पर हर फैसले का अपना एक वक्त होता है। आज के समय में वित्त या अर्थव्यवस्था की खिड़की महत्वपूर्ण है, जीवन और व्यवस्था के बाकी तमाम पहलुओं को इस खिड़की से देखा ही जाएगा। अग्निपथ योजना के पीछे एक किस्म की व्यावहारिकता है, जिसे आगे रखकर केंद्र सरकार चल रही है। वेतन-भत्ते और पेंशन का बोझ जिस तेजी से बढ़ रहा है, आने वाले समय में रोजगार की ऐसी और भी योजनाएं आएंगी। अग्निपथ की कामयाबी आगे के लिए एक मिसाल बन जाएगी। हालांकि, दो बातें हैं, जिन पर सरकार को गौर करना चाहिए। पहली बात, अग्निपथ स्कीम में चार साल सेवा देने के बाद केवल 25 प्रतिशत तक जवान ही सेवा में रखे जाएंगे। क्या सेना में स्थायी तौर पर सेवा के लिए रखे जाने वाले जवानों की संख्या पचास प्रतिशत तक की जा सकती है? जाहिर है, अभी अग्निवीर को ज्यादा आर्थिक सुरक्षा हासिल नहीं होगी, लेकिन जब उनमें से आधे अग्निवीर स्थायी कर दिए कर जाएंगे, तो बहुत हद तक विरोध शांत होगा। यह संभव है कि जब कुशल अग्निवीरों की भी सेवा समाप्त की जाएगी, तब वे अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। इसके अलावा, जब देश में पूर्व अग्निवीरों की संख्या ज्यादा हो जाएगी, तब क्या उनका राजनीतिक दबाव किसी नेता या राजनीतिक दल पर नहीं पड़ेगा? मतलब यह कि सेवा देने वाले मांग करते रहेंगे, मगर अंततः सरकार को ही न्यायोचित ढंग से लोगों को आश्वस्त करना होगा।

सुर ना सधे

मगर पिछले कुछ समय से सत्ताएं ऐसी अभिव्यक्तियों को लेकर असहज और आक्रामक नजर आने लगी हैं। महाराष्ट्र पुलिस ने एक गायक के खिलाफ इसलिए विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है कि उसने अपने एक गीत में तथाकथित रूप से महाराष्ट्र सरकार और प्रशासन के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की है। यह सरकारों की असहनशीलता का नया प्रमाण है। गायक ने अपना गीत सोशल मीडिया पर डाला था और वह देखते ही देखते काफी लोकप्रिय हो गया। उसी को लेकर गायक के खिलाफ शांति भंग करने की मंशा से जानबूझ कर अपमान करने, समुदायों के बीच वैमनस्य, शत्रुता और दुर्भावनापूर्ण बयान देने और इलेक्ट्रानिक माध्यम पर अश्लील सामग्री परोसने के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि अनेक लोगों का कहना है कि इस गाने में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसे आपत्तिजनक कहा जा सके। यह कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र में ही एक दूसरे गायक को इसी तरह कानून के शिकंजे में लिया गया था। कुछ ही दिन बीते, जब उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक भोजपुरी गायिका को इसी तरह सरकार का अपमान करने के आरोप में नोटिस भेजा था। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किसी का अपमान करने की मंशा से कुछ भी बोला, लिखा या गाया नहीं जा सकता। मगर इसकी व्याख्या करना कई बार थोड़ा टेढ़ा काम हो जाता है। अगर सरकारें खुद मान लें कि किसी के लिखने, बोलने या गाने से उसे चोट पहुंची है, तो संबंधित व्यक्ति के लिए यह सिद्ध करना कठिन हो जाता है कि वास्तव में उसकी मंशा वह नहीं थी, जैसा सरकार समझ रही है। अब तो सरकारों में यह प्रवृत्ति जटिल होती गई लगती है कि वे अपने विरुद्ध किसी भी तरह की अभिव्यक्ति को सहन नहीं कर पातीं। पश्चिम बंगाल में पुलिस ने एक व्यंग्य चित्रकार को इसलिए गिरफ्तार कर लिया था कि उसने ममता बनर्जी सरकार पर तल्ख टिप्पणी करते हुए चित्र बनाए थे। केंद्र सरकार पर भी अनेक लोगों को इसलिए जेल भेजने के आरोप लगते रहे हैं कि उन्होंने उसकी नीतियों पर अंगुली उठाते हुए टिप्पणियां की थीं। महाराष्ट्र का मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब पिछले ही हफ्ते सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त टिप्पणी की थी कि सरकारें अगर अपने विरुद्ध टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं करतीं, तो इसका अर्थ यही होता है कि वे चाहती हैं कि सिर्फ उनकी तारीफ में लिखा-बोला जाए।

उद्यमी देश के नायक या खलनायक

विश्लेषण

आर.के. सिन्हा

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब मैं मानव संसाधन और विज्ञान एवं प्राद्योगिकी मंत्रालय में सलाहकार था, नारायणमूर्ति जी आईआईए, अहमदाबाद के अध्यक्ष थे और कई विषयों पर मंत्रालय से अलग विचारों के लिए विवादों में भी आ जाते थे। पर, वे अपनी बात मजबूती से रखते थे और कौन क्या सोच रहा है, इसकी परवाह नहीं करते थे। यह कहना सही होगा कि हमारे यहां के अमीरों का लाइफ स्टाइल किसी राजा-महाराज जैसा रहने लगा है। ये शादी ब्याह के अवसरों पर या फिर अपने घरों को खरीदने में सैकड़ों करोड़ रुपये फूंक देते हैं, जिसकी कोई जरूरत नहीं होती है। माइक्रोसाफ्ट के सांसद चेयरमेन बिल गेट्स से अधिक धनी कौन होगा। पर उनका जीवन सादगी भरा है। वे कमाए हुए धन के बड़े भाग का उपयोग लोक कल्याण के लिए करते हैं। इधर आनंद महिन्द्रा जैसे उद्योगपति भी हैं। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा समूह के चेयरमेन आनंद महिन्द्रा अपनी पुत्री का विवाह सादगी के साथ करते हैं।

इंफोसिस के संस्थापक एन.नारायण मूर्ति जब भी बोलते हैं तो उसे सबको सुनना ही पड़ता है। वे अपनी बात बेखौफ अंदाज में रखते हैं। उन्होंने पिछले दिनों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद (आईआईएम-ए) के 58वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में कहा कि कारपोरेट लीडर्स को अपना वेतन लेते हुए संयम बरतना चाहिए। उनका लाइफ स्टाइल भी बहुत खर्चीला नहीं होना चाहिए। उनका कहना था कि जिस देश में अब भी खासी गरीबी है, वहां पर उद्योगपतियों को एक तरह से अपने व्यवहार से उदाहरण पेश करना चाहिए। नारायणमूर्ति जी की बात पर गौर तो किया ही जाना चाहिए।

मुझे याद है कि भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब मैं मानव संसाधन और विज्ञान एवं प्राद्योगिकी मंत्रालय में सलाहकार था, नारायणमूर्ति जी आईआईए, अहमदाबाद के अध्यक्ष थे और कई विषयों पर मंत्रालय से अलग विचारों के लिए विवादों में भी आ जाते थे। पर, वे अपनी बात मजबूती से रखते थे और कौन क्या सोच रहा है, इसकी परवाह नहीं करते थे। यह कहना सही होगा कि हमारे यहां के अमीरों का लाइफ स्टाइल किसी राजा-महाराज जैसा रहने लगा है। ये शादी ब्याह के अवसरों पर या फिर अपने घरों को खरीदने में सैकड़ों करोड़ रुपये फूंक देते हैं, जिसकी कोई जरूरत नहीं होती है। माइक्रोसाफ्ट के सांसद चेयरमेन बिल गेट्स से अधिक धनी कौन होगा। पर उनका जीवन सादगी भरा है। वे कमाए हुए धन के बड़े भाग का उपयोग लोक कल्याण के लिए करते हैं। इधर आनंद महिन्द्रा जैसे उद्योगपति भी हैं। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा समूह के चेयरमेन आनंद महिन्द्रा अपनी पुत्री का विवाह सादगी के साथ करते हैं। उनके विवाह समारोह में तीन-चार दर्जन लोग रहते हैं। यह ही होना भी चाहिए। नारायणणूर्ति का लाइफ स्टाइल भी बहुत सादगी भरा है। वे अपने अरबों रुपये के घर में नहीं रहते। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्रषि सुनक के ससुर नारायणमूर्ति जी की पत्नी सुधा जी को भी आप कोई बहुत महंगी साड़ी पहने हुए नहीं देखे होंगे। दोनों पति-पत्नी लोक कल्याण के कार्यों में लगे रहते हैं। रतन टाटा भी धन नहीं फूंकते।

यह निश्चित रूप से विचारणीय मसला है कि किसी कंपनी के सीईओ को कितनी सेलरी मिले? सीईओ अपनी कंपनी का कप्तान होता है। तो क्या इस लिए उसे अपनी कंपनी के बाकी कर्मियों की अपेक्षा कई गुना अधिक पगार मिले ? क्या कंपनी के कर्मियों का उसे बुलंदियों में लेकर जाने में कोई रोल नहीं होता? क्या सिर्फ सीईओ ही अपनी कंपनी की सफलता का श्रेय ले ले? सीईओ को भारी-भरकम पगार मिलती रहे, इसके पक्ष में एक तर्क भी दिया जाता है। कहा जाता है कि चूंकि वह अपनी मेहनत से शिखर पर पहुंचता है, इसलिए मोटी पगार पाना उसका हक है ? कुछ साल पहले देश की एक प्रमुख टायर कंपनी के सीईओ की पगार पर बवाल मचा था। उसने अपनी सालाना सेलरी में दस फीसद तक की वृद्धि कर ली हालांकि उसकी कंपनी का मुनाफा विगत वर्षों की तुलना में घट रहा था।

अब एक सवाल? क्या कोई कर्मी खराब प्रदर्शन करने के बाद भी अपनी वेतन में मोटी वृद्धि की उम्मीद कर सकता है? नहीं। ये ही सवाल उस टायर कंपनी के सीईओ से क्यों नहीं पूछा जाता? जब देश में करीब पौन अरब आबादी एक लाख रुपये सालाना रुपये से कम पर गुजर -बसर करती हो तब ऐसी बर्बर पगार-विषमता को कैसे न्यायपूर्ण ठहराया जा सकता है? सरकार किसी भी दल या गठबंधन की रहे, क्या इतनी वीभत्स पूंजीवादी व्यवस्था को झेलना चाहिए? आर्थिक उदारीकरण के पश्चात सेलरी में गुणात्मक सुधार हुआ है। सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों में काम करने वालों की सेलरी अब सम्मानजनक हो चुकी है। पर सेलरी में अंतर काफी बढ़ा है। इस स्थिति के कारण कर्मियों में तनाव और आपस में एक-दूसरे के प्रति अविश्वास और वैमनस्थ का भाव भी बढ़ा है।

यह तो तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि हमारे यहां सफल उद्यमियों को लेकर समाज के एक वर्ग की बड़ी नेगेटिव राय रहती है। देख लीजिए कि आजकल देश के दो महत्वपूर्ण औद्योगिक घरानों के पीछे अकारण सोशल मीडिया पड़ा है। यहां पर बात रिलायंस और अडाणी समूहों की हो रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) में ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, कपड़ा, प्राकृतिक संसाधन, खुदरा व्यापार और दूरसंचार के क्षेत्र में देश व्यापी बड़ा कारोबार करती है करिलायंस भारत की सबसे अधिक लाभ कमाने वाली कंपनियों में से एक है। इसका अर्थ यह हुआ कि रिलायंस के लाखों शेयर होल्डर भी उस लाभ के भागीदार हैंकइसमें लाखों पेशेवर काम भी करते हैं। लगभग सभी की तनख्वाह इतनी अधिक होती है कि सभी टैक्स देते हैं। अब बात कर लें अडाणी समूह की भी। कुछ समय पहले, हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें आरोप लगाया गया कि समूह स्टॉक हेरफेर और लेखा धोखाधड़ी में शामिल है। इस रिपोर्ट के आने के बाद हमारा सोशल मीडिया अडाणी के पीछे इस तरह से पड़ गया मानो उसने कोई अपराध किया हो। अभी तो उस पर कोई अपराध साबित नहीं हुआ है। पर इससे किसी को कोई मतलब भी नहीं है।

फिलहाल अडाणी समूह की कंपनियों के शेयर धूल में मिल गए हैं। गौतम अदाणी पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। उन्हे जबरदस्ती खलनायक बना दिया गया है। ये नकारात्मकता बढ़ती ही जा रही है। थोड़ा पीछे चलते हैं। यूपीए सरकार के दौर में कुमार मंगलम बिड़ला समूह के अध्यक्ष आदित्य बिड़ला पर कोलगेट में एफआईआर दर्ज हो गई थी। बिड़ला का भारत के कारपोरेट जगत में टाटा ग्रुप के पुराण पुरुष रतन टाटा, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के प्रमुख आनंद महिन्द्रा, एचडीएफसी बैक के चेयरमेन दीपक पारेख के जैसा ही स्थान है। इससे पहले कभी कुमार मंगलम बिड़ला का नाम किसी विवाद में नहीं आया था। इसलिए उनके खिलाफ सीबीआई की तरफ से चार्जशीट दायर करने से हड़कंप मच गया था। अगर हम अपने देश के उजली छवि वाले कारपोरेट जगत के दिग्गजों पर मिथ्या आरोप लगाएंगे या फिर उन पर एफआईआर दर्ज करवाएंगे तो समझ लें कि दुनियाभर में भारतीय कारोबारियों की गलत छवि ही जाएगी। खैर, अब कुमार मंगलम बिड़ला को हाल ही में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वे इस सम्मान के हकदार हैं। कुल मिलाकर बात ये है कि एक तरफ तो एन. नारायणमूर्ति की सलाह पर देश के बड़े कारोबारियों और धनी लोगों को अमल करना होगा। दूसरा, देश को अपने उद्योग जगत की सफल हस्तियों का सम्मान करना भी सीखना होगा।

लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

पशुपालन को लाभदायक बनाने के आयाम

भारत में गाय और भैंस की कुल संख्या करीब 30 करोड़ है। 12 किलोग्राम प्रति पशु की दर से प्रतिदिन 360 करोड़ किलोग्राम गोबर पैदा होता है। एक किलोग्राम बायो गैस बनाने के लिए 20 किलोग्राम गोबर चाहिए। इसका अर्थ हुआ 18 करोड़ किलोग्राम गैस प्रति दिन। इसे सिलेंडर में भरें तो एक करोड़ बीस लाख सिलेंडर रोज की क्षमता देश में है। यदि इस संसाधन को पूरी तरह से प्रयोग करने की क्षमता हासिल कर ली जाए तो देश की 50 फीसद ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

इसके लिए सारी तकनीक तो उपलब्ध ही है। केवल दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ जुट जाने की बात है। गोबर गैस बनाने के दोहरे फायदे हैं। एक तो ऊर्जा पैदा होगी, जो हमारी खनिज तेल पर निर्भरता को कम करेगी। दूसरा बढ़िया खाद भी प्राप्त होगी, किसान को नकद लाभ होगा और खनिज तेल का उपयोग कम होने से वायु प्रदूषण भी कम होगा। इतने बड़े संसाधन के होते हुए इसकी अनदेखी करना ठीक नहीं। इस संसाधन के दोहन से कितने ही रोजगार भी पैदा होंगे। इसी तरह गोमूत्र का दवाई के लिए उपयोग करके भी किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। आजकल गोबर से अन्य कई तरह के उत्पाद बनाने का भी चलन तेज हुआ है। गोबर से कागज बनाया जा रहा है। जो अच्छी गुणवत्ता का है और कागज बनाने की प्रक्रिया के बाद बचे अवशेषों से खाद बनाई जा सकती है। इससे भी पेड़ बिना काटे कागज उत्पादन करके पर्यावरण संरक्षण किया जा सकता है। गोबर से थोड़ी मिट्टी मिलाकर बढ़िया गमले, दीये आदि भी बनाए जा रहे हैं। इसके लिए लघु मशीनें भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा गो काष्ठ का भी उत्पादन लाभदायक हो सकता है। इसके लिए अलग-अलग डाई से गोल या चौकोर गोबर की लकड़ियां बनाई जा सकती हैं। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में इन लकड़ियों का प्रयोग हवन और शवदाह के लिए करने का चलन बढ़ रहा है। ये लकड़ियां बनाने की मशीन भी उपलब्ध है जो दबाव से एक सिरे से गोबर डाल कर दूसरे सिरे से लकड़ी निकालती है। इन लकड़ियों के अच्छे प्रज्ज्वलन के लिए इनके बीच में एक इंच का छेद रहता है। शवदाह के लिए दो क्विंटल गोबर की लकड़ी पर्याप्त होती है। 6-7 रुपये किलोग्राम तक बिक जाती है। इसके अलावा जैविक खाद बनाकर बेचना भी काफी लाभदायक हो सकता है। इसकी मांग भी बहुत है। गोबर में 20 फीसद मिट्टी और चूना मिला कर ईंट भी बनाई जा रही हैं। यह ईंटें मकान को गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में गर्म रखती हैं। ऐसी संभावनाओं का दोहन किया जाना चाहिए जिसे सरकार द्वारा प्रोत्साहन देकर और तकनीक एवं मशीनरी की जानकारी और प्रशिक्षण दिलवा कर संभव किया जा सकता है। एक बिलकुल नई संभावना का द्वार भी खुल रहा है। आईआई टी से पढ़े डॉ. सत्य प्रकाश वर्मा ने गोबर से नैनो सैलूलोज बनाने की विधि ईजाद की है। यह बहुत कीमती रसायन है। इसे कागज उद्योग, कपड़ा बनाने, दवाई उद्योग आदि में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी अंतरराष्ट्रीय मांग है। एक ग्राम की कीमत दो-तीन हजार रुपये है। एक किलोग्राम गोबर में से 6 से आठ ग्राम तक नैनो सैलूलोज निकलता है। इसके बाद बचने वाला पदार्थ लिग्निन कहलाता है। यह भी 40-50 रुपये किलोग्राम तक बिक जाता है। इस निर्माण प्रक्रिया का डॉ. वर्मा ने पेटेंट भी करवा लिया है। सरकार इस उद्योग के विस्तार के तरीके निकाल कर पशुपालकों को काफी लाभ पंहुचा सकती है। पशुधन को लाभकारी बनाने के इन तरीकों से पशुपालन और आकर्षक हो जाएगा और गैर दुधारू पशु भी लाभदायक हो सकेंगे। इससे बेसहारा पशुओं की समस्या पर भी लगाम लगाने में मदद मिलेगी और रोजगार के अवसर भी अपने ही संसाधनों के बेहतर उपयोग से पैदा किए जा सकेंगे। शुरूआत में गोसदनों और बड़ी डेयरियों से एक मिश्रित गतिविधियों का प्रयोग किया जा सकता है। राजस्थान के कोटा के जयहिंद नगर निवासी और डेढ़ साल पहले स्टार्टअप गोबर वाला डॉट कॉम शुरू करने वाले डॉ. सत्य प्रकाश वर्मा का कहना है कि गाय के गोबर के केमिकल से सेना के जवानों की वर्दी भी बन सकती है।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

हूल क्रांति के महानायक अमर वीर शहीद सिद्धो-कान्हो की जयंती के अवसर पर सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वन उत्पाद संघ अंतर्गत विभिन्न पैक्स/लैम्प्स में सदस्यों को जोड़ने हेतु अभियान का शुभारंभ तथा योजनाओं के शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में शामिल हुआ।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

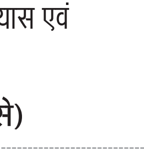

चाहे जितना जोर लगा ले। उनके केस मुकदमें, लाठीचार्ज और गिरफ्तारियों से जनता की आवाज दबाने की कोशिश नाकाम ही रहेगी हम उन्हें लूटने की आजादी नहीं देंगे और जनता के हित के लिए हर जुल्म सहने को तैयार रहेंगे। जनता के संवैधानिक अधिकारों को सोरेन सरकार दबा नहीं सकती।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

बाघ का जीवन

कुछ साल पहले तक देश में बाघों की कम संख्या को लेकर चिंता जताना एक तरह से सिलसिला बन गया था। इसके मद्देनजर बाघों के संरक्षण के लिए भी विशेष और लक्ष्य आधारित कार्यक्रम चलाए गए। शायद व्यापक स्तर पर किए गए लगातार प्रयासों का ही यह नतीजा है कि एक ताजा रिपोर्ट में बाघों की संख्या को लेकर आए नए आंकड़े पर काफी राहत महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार को बाघ परियोजना के पचास साल पूरे होने पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसके मुताबिक 2022 में देश में बाघों की संख्या तीन हजार एक सौ सड़सठ दर्ज की गई है, जबकि 2018 में यह संख्या दो हजार नौ सौ सड़सठ थी। यानी चार साल के दौरान बाघों की तादाद में दो सौ की बढ़ोतरी हुई। जाहिर है, इस पशु के जीवन के सामने जिस तरह के संकट मंडरा रहे हैं, उसमें इसके संरक्षण को लेकर किए गए उपायों से अब इसकी आबादी में लगातार इजाफा हो रहा है और चिंता के बरक्स एक स्तर पर संतोषजनक कामयाबी मिली है। यों भी सांस्कृतिक दृष्टि से देखें तो प्रकृति की रक्षा करना भारत में आम जनजीवन का हिस्सा रहा है। रिपोर्ट जारी करने के मौके पर प्रधानमंत्री ने भी इसका जिक्र किया। लेकिन पर्यावरण में होने वाले उतार-चढ़ावों के समांतर बढ़ती इंसानी आबादी के साथ रिहाइशी इलाकों के विस्तार की वजह से अनेक जंगली पशुओं के प्राकृतिक आवास का दायरा सिमटा और उनका सामान्य जीवन बाधित हुआ। मैदानी इलाकों में बाढ़ जैसी कई वजहों से भी घास के मैदानों पर आफत के साथ हिरणों की आबादी में कमी आई और इसका सीधा असर वन्यजीवों की खाद्य शृंखला पर पड़ा। इसका मुख्य खमियाजा पहले से ही संकट में पड़े बाघों को ज्यादा भुगतना पड़ा। हालांकि बाघों के जीवन पर यह संकट भारत के अलावा दुनिया भर में चिंता का कारण बना है। इसलिए बाघों को बचाने के मामले में विश्व स्तर पर पर्यावरणविदों के बीच व्यापक सहमति बनी। इन्हीं प्रयासों के तहत ह्यइंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंसह्ण यानी आइबीसीए बनी, जिसमें ऐसे देश शामिल हैं, जहां इस प्रजाति के सात पशु- बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, पुमा, जगुआर और चीता पाए जाते हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो देश में कुल तिरपन बाघ संरक्षित क्षेत्र हैं, जहां लगभग तीन चौथाई बाघों की भिन्न प्रजातियां रहती हैं। गौरतलब है कि करीब पांच दशक पहले जब बाघ संरक्षण को लक्षित इस परियोजना की शुरूआत की गई थी, तब हालत थी कि ह्यबड़ी बिल्लीह्ण प्रजाति में गिने जाने वाले इस पशु की संख्या इतनी कम थी कि इसके खत्म होने की आशंका जताई जाने लगी थी। लेकिन इस परियोजना पर अमल के बाद भारत ने न सिर्फ बाघों को बचाया है, बल्कि उसकी आबादी में विस्तार के लिए बेहतरीन पर्यावरण तैयार किया।

सन 2006 में तो बाघों की गिनती महज एक हजार चार सौ ग्यारह रह गई थी और तब इस मसले पर उपजी चिंता के बाद सरकार की ओर से ज्यादा गंभीर और व्यवस्थित प्रयास शुरू हुए। उसके बाद हर चार साल के अंतराल के आंकड़ों में इसकी संख्या में तेजी से सुधार होता गया। अब नए आंकड़ों में बाघों की गिनती तीन हजार से ऊपर पहुंच जाने के बाद कहा जा सकता है कि देश में इस पशु के संरक्षण के लिए लागू योजना के तहत संतोषजनक उपलब्धि हासिल की जा सकी है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पर्यावरण से लेकर पर्यावास तक के मामले में बाघों का जीवन जिस तरह स्थानीय परिस्थितियों से अभिन्न है, उसे संतुलित बनाए रखना जरूरी है, ताकि लंबे समय में हासिल इस राहत को कायम रखा जा सके।

मुझे कुछ कहना है...

अप्रैल महीने में झारखंड की राजधानी में प्रचंड गर्मी महसूस की जा रही है। गर्मी से लोग बेहाल हो रहे हैं यह अलग बात है। मुख्य समस्या जल संकट को लेकर है। राजधानी के कई इलाकों में पानी की समस्या से लोग अभी से जूझ रहे हैं। अभी मई, जून का महीना बाकी है। ऐसे में यह स्वाभाविक चिंता की बात है कि अगले दो महीनों में क्या होगा। कहने को तो रांची राजधानी है लेकिन यहां की जलापूर्ति व्यवस्था का क्या हाल है, यह किसी से छिपा नहीं है। जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। पानी सभी को चाहिए। ऐसे में लोगों ने डीप बोरिंग कर रखी है। साल दर साल जल स्तर नीचे जाने से यह व्यवस्था भी नाकाम होने लगी है। अधिकतर घरों की बोरिंग सूखने लगी है। लाखों आबादी पानी के लिए पूरी तरह से निगम के टैंकर, एचवाईडीटी व मिनी एचवाईडीटी बोरिंग पर आश्रित हो गई है। शहर में कई वार्ड के गली मोहल्लों में लगा दर्जनों मिनी एचवाईटीडी पूरी तरह से फेल हो गया है। लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। कई इलाकों में चापानल भी खराब है। लोगों की जिंदगी टैंकर के भरोसे चल रही है। शहर के हरमू, किशोरगंज, मोरहाबादी, हिंदपीढ़ी सहित अन्य इलाकों में मिनी एचवाईडीटी फेल है। इन इलाकों में लगभग दर्जनों मिनी एचवाईडीटी बोरिंग खराब पड़े है। अब इस इलाके के लोग नगर निगम के भेजे जा रहे टैंकर के भरोसे पानी भर रहे हैं। बोरिंग फेल होने की वजह से टंकी में पानी नहीं भर रहा है। राजधानी में 53 वार्डों में से 10 वार्ड ड्राई जोन के रूप में चिन्हित है। चिंता स्वाभाविक है लेकिन समाधान की कोशिशें उस स्तर पर नजर नहीं आ रही हैं जिस स्तर की होनी चाहिए। नतीजा यह है कि कई मोहल्लों में जल की मूलभूत आवश्यकता पूरी नहीं हो पा रही है। सरकार और स्थानीय प्रशासन को इस बारे में जल्द से जल्द सोचने की जरूरत है।

रणधीर सिंह, समाजसेवी।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना – रातू, जिला – रांची, झारखंड, पिन – 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक – फहीम अख्तर* (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

घरेलू मैदान में रॉयल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीमों के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों ने अब तक तीन-तीन मैच खेले हैं। जिससे में दोनो ही टीमों को दो-दो मैचों में जीत मिली है और एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी क्योंकि उसे अपनी घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। जहां तक बल्लेबाजी ओर गेंदाजी की बात है दोनो ही टीमों के पासा अच्छे खिलाड़ी हैं। इसलिए मुकाबला बराबरी का है। सीएसके के पास कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रुतुराज गायकवाड़ जैसा सलामी बल्लेबाज है। रुतुराज ने इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और बेन स्टोक्स है पर टीम की गेंदबाजी कमजोर है। इसमें सभी खिलाड़ी युवा है। वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन की राजस्थान के पास सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमक के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं। टीम के पास शिमरोन हेटमायेर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी में ट्रेंट बोल्ट और जैसन होल्डर के होने से उसे लाभ होगा। इसके अलावा टीम के पास कुलदीप यादव, एडम जाम्पा जैसे स्पिनर हैं हालांकि सीएसक से उसके ही घरेलू मैदान पर खेलना रॉयल्स के लिए आसान नहीं रहेगा। बटलर और जायसवाल ने अब तक दो-दो अर्धशतक लगाये हैं। बटलर का स्ट्राइक रेट 180.95 और जायसवाल का 164.47 रहा है।

रॉयल्स ने अभी तक तीन में से दो मैच गुवाहाटी में खेले जहां उन्हें सपाट पिच मिली थी। हैदराबाद की पिच भी बल्लेबाजों की सहायक थी। अब चेन्नई में पिच धीमे गेंदबाजों की सहायक रहेगी। ऐसे में टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इस पिच पर 170 या 175 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं रहेगा। वह भी तब जब मोईन अली, रविंद्र जडेजा और मिशेल सेंटनेर जैसे गेंदबाज हों। तीनों ने अभी तक तीन मैचों में 11 विकेट लिएहैं और उनका इकॉनामी रेट बहुत शानदार रहा है।

मोईन ने दो मैचों में 6.50 की औसत से गेंदबाजी की जबकि जडेजा और सेंटनेर ने भी

प्रति ओवर सात से कम रन दिये हैं। मोईन पिछला मैच नहीं खेल सके थे पर अब वह सिसांडा मगाला की जगह खेलेंगे। वहीं स्टोक्स के फिट नहीं होने पर उनकी जगह ड्वेन प्रिटोरियस भाग लेंगे। रॉयल्स के स्पिनरों को भी हलके में नहीं लिया जा सकता। अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को यहां घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जबकि युजवेंद्र चहल एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। स्थानीय खिलाड़ी मुरूगन अश्विन भी टीम में हैं। सीएसके को हालांकि दीपक चाहर की कमी खलेगी। चाहर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। ऐसे में देखना होगा कि धोनी अब राजवर्धन हंगरगेकर और सिमरजीत सिंह में से किसे शामिल करते हैं। वहीं बल्लेबाजी में अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने पिछले मैच में लय हासिल की थी जिसे वह बनाये रखना चाहेंगे। रूतुराज गायकवाड़ शीर्षक्रम पर लगातार अच्छा खेल रहे हैं। दोनों टीमों के पास एक अच्छा बल्लेबाजी क्रम है जिससे ये मैच रोमांचक रहने की संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपरकिंग्स: महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडु, मोईन अली, बेन स्टोक्स, रविंद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिशेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथिसा पथिराना, महीश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बासित, मुरूगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, के एम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डी फरेरा, शिमरोन हेटमायेर, जैसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेद मैकॉय, देवदत्त पड्डिकल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौड़, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जाम्पा।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप के दूसरे दिन विकास ने भारत को कांस्य दिलाया

अस्ताना (एजेंसी)। विकास ने 72 किलो ग्रीको रोमन वर्ग में चीन के जेन तान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 8 . 0 से हराकर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में भारत को तीसरा कांस्य पदक दिलाया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन सुमित (60 किलो) और रोहित दहिया (82 किलो) कांस्य पदक से चूक गए लेकिन विकास को अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने में महज एक मिनट और 41 सेकंड लगे।

सुमित को जापान के मेइता कवाना ने 14.6 से हराया जबकि दहिया को ईरान के अलीरजा अजीजखून एम ने 5 . 1 से मात दी। भारत के नरिंदर चीमा (97 किलो) को मेजबान देश के ओल्जास सिरलिबी ने 4 . 1 से हराया। भारत ने पहले दिन एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे।

विकेट के लिए अमित मिश्रा ने उड़ाईं नियमों की धज्जियां, विराट कोहली को धोखे से किया आउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी ने क्रिकेट की दुनिया पर भी बहुत ज्यादा असर डाला है। पहले तो कोरोना महामारी के चलते क्रिकेट मैचों को कुछ देर के लिए बंद करना पड़ा और बाद में जब कोरोना महामारी से थोड़ी राहत मिली तो कुछ प्रतिबंधों के साथ क्रिकेट मुकाबले फिर से शुरू हुए। पहले तो क्रिकेट मैदान में दर्शकों के जाने की भी मनाही थी, लेकिन अब इसको लेकर भी पूरी छूट दे दी गई है। हालांकि, खिलाड़ियों पर अब भी कोरोना महामारी के चलते कुछ नियम अभी तक लागू हैं। इसमें से एक नियम यह भी है कि कोई भी खिलाड़ी गेंद को टर्न और स्विंग करने के लिए थूक से गेंद को शाइन नहीं कर सकता।

वहीं आईपीएल 2023 के 15वें मैच में थूक न लगाने के नियम की खूब धज्जियां उड़ाईं गई। कोरोना महामारी के चलते आईसीसी के नियम के अनुसार कोई भी खिलाड़ी गेंद पर थूक नहीं लगा सकता जबकि खिलाड़ी पसीने से गेंद को चमका सकते हैं, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ मुकाबले में

लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाज अमित मिश्रा ने इस नियम की धज्जियां उड़ा दी। वह पारी के 12 ओवर में गेंद पर थूक लगाते हुए नजर आए। अमित मिश्रा ने यहां इस नियम की धज्जियां उड़ाईं वहीं उन्हें इससे मदद भी मिली, 12वें ओवर में मिश्रा ने गेंद पर जब थूक लगाया तो उससे अगले ही गेंद पर विराट कोहली आउट हो गए।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं हुआ कि किसी खिलाड़ी ने नियमों की धज्जियां उड़ाईं हो। इससे पहले 2020 में विराट कोहली आईपीएल के दौरान गेंद पर थूक लगाते हुए नजर आए थे। आईपीएल 2021 में अमित मिश्रा पहले भी एक बार थूक लगाने की गलती कर बैठे थे, जिसके बाद अंपायर ने चेतावनी भी थी।

एशिया कप 2023: पाकिस्तान के रुख में आई नरमी, इस प्लान के तहत खेले जा सकते हैं भारत के मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 को लेकर शुरू हुआ विवाद अब खत्म होता दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान के रुख में थोड़ी नरमी भी आई है। एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने साफ तौर पर कह दिया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। ऐसे में एशिया कप को लेकर सवाल उठने लगे थे। हालांकि, अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के रूख में नरमी देखी गई है। इसके लिए पाकिस्तान अब बीच का रास्ता निकाल रहा है। माना जा रहा है कि भारत के सामने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड झुकने को तैयार हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रबंध समिति के अध्यक्ष नजम सेठी ने साफ तौर पर कहा है कि एशिया कप की मेजबानी को हम किसी भी कीमत पर जाने नहीं देंगे।

नजम सेठी ने साफ तौर पर कहा कि टूर्नामेंट आयोजन की जिम्मेदारी किसी और को हम नहीं दे सकते। हम हाइब्रिड मॉडल के आधार पर एशिया कप को कराने की तैयारी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान आती है तो यह बहुत अच्छा है। अगर नहीं आती है तो उसके मुकाबले न्यूट्रल रिवेन्यू पर कराए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इसकी जानकारी और पूरा शेड्यूल एशियन क्रिकेट काउंसिल को दे दी गई है।

पिछले महीने एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठक हुई थी। जानकारी के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच कब से कम दो मुकाबले एशिया कप में देखे जा सकते हैं। इन्हीं दो मुकाबलों से आधे से अधिक का रेवेन्यू आएगा। न्यूट्रल वैल्यू होने की वजह से अतिरिक्त बजट की भी जरूरत होगी।

अपने बयान में सेठी ने कहा कि हमने एसीसी की बैठक में हाइब्रिड मॉडल पेश किया। पाकिस्तान और भारत कम से कम दो बार एक-दूसरे से खेलेंगे। यह मैच आधे से अधिक राजस्व उत्पन्न करता है। हमने अतिरिक्त बजट की गणना की है और एसीसी को इसके बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत पाकिस्तान में खेलने को इच्छुक हैं, तो उनका स्वागत है। अगर वे तटस्थ स्थान पर खेलना चाहते हैं, तो हम तैयार हैं। इस कार्यक्रम की मेजबानी के अलावा कोई विकल्प नहीं है, अन्यथा, हम नहीं खेलेंगे।

ला लीगा गिरोना ने बार्सिलोना को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

मैड्रिड। बार्सिलोना कोपा डेल रे सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड के हाथों मिली शर्मनाक हार से अभी तक नहीं उबर पाया है और उसे स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला लीगा में गिरोना के साथ मैच गोलरहित ड्रा खेलना पड़ा। इस परिणाम के बावजूद बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त 13 अंक की कर दी है जबकि अभी 10 मैच बचे हुए हैं। रियाल मैड्रिड को शनिवार को विल्लारियाल ने 3-2 से हराया था। बार्सिलोना के अब 28 मैचों में 72 अंक हो गए हैं जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 59 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड 57 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

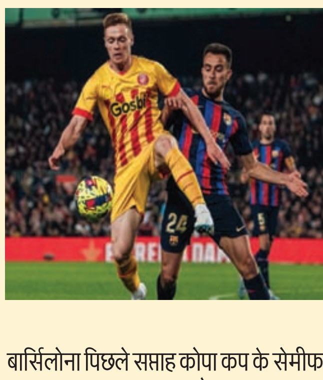

बार्सिलोना पिछले सप्ताह कोपा कप के सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड से 4-0 से हार गया था। यह 1963 के बाद पहला अवसर था जबकि बार्सिलोना अपने घरेलू मैदान पर रियाल मैड्रिड से चार गोल के अंतर से हारा। उसे सोमवार को वापसी करने की उम्मीद थी लेकिन गिरोना की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसके अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों की एक नहीं चली। बार्सिलोना ने इस सत्र में ला लीगा के जो 14 मैच अपने घरेलू मैदान पर खेले हैं उन्हें वह अभी तक अजेय रहा है।

साझेदारियां नहीं निभा पाने का नुकसान उठा रहा है मुंबई इंडियंस : गावस्कर

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस को वर्तमान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में विशेषकर रोहित शर्मा और इशान किशन की सलामी जोड़ी के बीच अच्छी साझेदारी नहीं निभा पाने का नुकसान उठाना पड़ रहा है। मुंबई को पहले दो मैचों में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से हार का सामना करना पड़ा। उन दोनों मैचों में रोहित और इशान अच्छी शुरुआत देने में नाकाम रहे थे। गावस्कर ने कहा, 'मुंबई इंडियंस की पिछले सत्र से ही सबसे बड़ी समस्या अच्छी साझेदारियां नहीं निभा पाना है। जब तक आप बड़ी साझेदारी नहीं निभाते तब तक बड़ा स्कोर बनाना मुश्किल है।' उन्होंने कहा, 'मुंबई इंडियंस इस मामले में लगातार जूझ रहा है। मुंबई को रोहित शर्मा और इशान किशन के बीच छोटी लेकिन उपयोगी साझेदारी पर अपनी पारी आगे बढ़ानी चाहिए।'

आईपीएल 2023 : ऑरेंज कैप की दौड़ में धवन सबसे आगे, पर्पल कैप के लिए वुड पहले नंबर पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में हर एक मैच के साथ ही सबसे अधिक रन के लिए दी जाने वाली (ऑरेंज कैप) और सबसे अधिक विकेट के लिए दी जाने वाली (पर्पल कैप) के दावेदारों में बदलाव आता जा रहा है। अब तक सबसे ज्यादा रन बनाकर पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। ऑरेंज कैप के शीर्ष पांच दावेदारों में फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली भी शामिल हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज मार्क वुड सबसे आगे हो गये हैं जबकि पंजाब किंग्स के स्पिनर राशिद खान सबसे ज्यादा विकेट के मामले में दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वुड ने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं जबकि राशिद ने 8 विकेट लिए हैं।

बल्लेबाजी की बात करें तो धवन अभी भी एकमात्र

बल्लेबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल के इस सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। शिखर धवन ने तीन पारियों में 99 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी के साथ कुल 225 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ हैं।

वहीं ऋतुराज ने 189 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस हैं, जिन्होंने 3 मैचों में 175 रन बनाए हैं। विराट कोहली अब चौथे नंबर पर हैं, जिन्होंने तीन पारियों में दो अर्धशतकों के साथ ही कुल 164 रन बनाए हैं। आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में पांचवें नंबर पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने 158 रन बनाए हैं।

सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली हैं अनके नाम 164 रन जबकि चौथे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 158 रन बनाये हैं।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में वुड और राशिद के बाद तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं। चहल के नाम भी 8 विकेट हैं पर अधिक रन देने के कारण वह तीसरे स्थान पर हैं। लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई 6 विकेट लेकर चौथे अल्जारी जोसेफ इतने ही विकेट लेकर पांचवें नंबर पर हैं।

हर्षल ने बनाया आईपीएल में सबसे तेजी से 100 विकेट लेने का रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने आईपीएल के 16 वें सत्र में सबसे तेजी से 100 विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम किया है। हर्षल ने यहां लखनऊ सुपर जायट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि अपने नाम की। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे तेजी से 100 आईपीएल विकेट का तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का रिकार्ड तोड़ा। जिन्होंने 81 इनिंग्स में 100 विकेट्स अपने नाम किए थे। वहीं ओवर ऑल की बात करें तो हर्षल दूसरे नम्बर पर हैं। पहले नम्बर पर लसिथ मलिंगा हैं जिन्होंने 70 पारियों में आईपीएल इतिहास में 100 विकेट्स अपने नाम किए हैं। वहीं हर्षल ने 81 मैचों की 79 पारियों में 23.23 की औसत और 8.52 की इकॉनमी रेट से 101 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 27 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। हर्षल शुरुआती ओवरों में रनों पर अंकुश नहीं लगा पाये पर अपने अंतिम दो ओवरों में केवल 13 रन देकर दो विकेट लेकर उन्होंने अच्छी वापसी की। साल 2012 में अपने आईपीएल सत्र शुरुआत के बाद से ही हर्षल ने दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी की ओर से खेल है।

आरसीबी की ओर से खेलना चाहते हैं पाक क्रिकेटर अयूब

लाहौर। पाकिस्तान के क्रिकेटरों के आईपीएल खेलने पर प्रतिबंध है पर इसके बाद भी उसके क्रिकेटर आईपीएल के प्रशंसक हैं और उसमें शामिल होना चाहते हैं। पाक के ही एक उभरते हुए क्रिकेटर सैम अयूब का सपना है कि वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से खेलें। अयूब आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक हैं, उनका मानना है कि विराट के एथिक्स उनके अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाते हैं।। सैम ने आरसीबी की ओर से तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल खेले हैं। इस क्रिकेटर ने 22 की औसत और 115.78 के स्ट्राइक रेट से 66 रन भी बनाए हैं। अयूब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर जल्मी की ओर से खेलते हैं। एक कार्यक्रम में इस क्रिकेटर से जब पूछा गया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध बेहतर होने पर वह आईपीएल में किस टीम के लिए खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि वह आरसीबी से खेलना चाहते हैं। इस दौरान सैम ने कहा कि आरसीबी के कप्तान विराट कोहली हैं। जिसको लेकर उनका मजाक भी बना है। यहा वीडियो सोशल मीडिया पर भी आया है। इस दौरान अयूब ने कहा कि कौशल सबसे पास होता है पर विराट के एथिक्स उन्हें सबसे अलग बनाते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए काफी व्यस्त है ये साल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के लिए ये साल काफी व्यस्त है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस साल जून में लंदन में भारतीय टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलना है। उसे इंग्लैंड के अलावा अक्टूबर-नवंबर में क्रिकेट विश्व कप 2023 भी खेलना है। इसी को देखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साल 2023-24 के लिए 24 खिलाड़ियों के अनुबंध की घोषणा की है। सीए के अनुबंधित खिलाड़ियों में स्पिनर टॉड मर्फी और तेज गेंदबाजी लांस मॉरिस सहित छह नये खिलाड़ियों को जगह मिली है। इन दोनो को ही आगामी एशेज और एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। सीए ने 2023-24 के लिए 24 खिलाड़ियों के अनुबंध की घोषणा की है। इसमें सीन एबॉट, लांस मॉरिस, माइकल नेसर और झे रिचर्डसन आदि शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की 24-खिलाड़ियों की अनुबंध सूची में कुल छह नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। वहीं मर्फी और सीन एबॉट को मुख्य सूची में प्रमोट किया गया है। इसके अलावा माइकल नेसर, लांस मॉरिस, झे रिचर्डसन और मार्कस हैरिस को भी प्रमोट किया गया है। इसके साथ ही अगले साल के लिए एक अनुबंध की पेशकश भी की गयी है। वहीं पूर्व व्हाइट-बॉल कप्तान आरोन फिंच, स्पिनर मिचेल स्वेपसन, मैथ्यू वेड, मैथ्यू रेनशॉ, पीटर हैंड्सकॉम्ब और मैथ्यू कुह्नमैन, जिन्हें हाल के समय में प्रमोट नहीं किया गया था। को नये अनुबंध नहीं मिले हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज और जॉर्ज बेली के अनुसार ये सूची आगामी कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए बनायी गयी है।

निकोलस पूरन ने रचा कीर्तिमान, जड़ा आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक, मचाई तबाही

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आईपीएल 2023 के 15वें मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के निकोलस पूरन ने तूफानी बल्लेबाजी से सनसनी मचा दी और बैंगलोर के गेंदबाजों के छक्के छुड़ा दिए। बेहद रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर एक विकेट से जीत हासिल की है। इस मुकाबले के के सूपर हीरो रहे निकोलस पूरन जिन्होंने आईपीएल के इतिहास का दूसरा सर्वाधिक तेज अर्धशतक जड़ा है।

निकोलस ने आरसीबी के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी और सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया। बता दें कि इस सीजन में ये सबसे तेज लगाया गया दूसरा अर्धशतक है। इसके साथ ही पूरन ने महज 19 गेंद में सात चौके और चार छक्कों की मदद से 62 रनों की पारी खेली। निकोलस से पहले अजिंक्य रहाणे ने 19 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के शार्दुल ठाकुर ने 20 गेंदों में 50 रन बनाए थे।

बता दें कि निकोलस पूरन छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे जब लखनऊ की टीम का स्कोर 105 रन था और टीम काफी मुश्किल में लग रही थी। क्रीज पर पहुंचने के साथ ही पूरन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की उससे मैच पूरी तरह से लखनऊ के पक्ष में आ गया था। निकोलस ने लखनऊ की टीम के खाते में मैच डाला दिया मगर वो इस दौरान 16वें ओवर की अंतिम गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। मगर निकोलस की इस पारी के बाद लखनऊ को तीन ओवर में 24 रन चाहिए थे।

कप्तान केएल राहुल ने की तारीफ

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल ने निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस की तारीफों के पुल बांधे। राहुल ने कहा, '' अविश्वसनीय। चिन्नास्वामी स्टेडियम जहां खेलकर मैं बड़ा हुआ और यहीं सबसे ज्यादा मैचों के नतीजे आखिरी गेंद पर आते हैं।'' उन्होंने कहा, '' हमें पता था कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा। उन्होंने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हम अगर मैच जीते हैं तो पूरन और स्टोइनिस की वजह से। यही वजह है कि हमने पूरन, स्टोइनिस और आयुष बडोनी जैसे दमदार खिलाड़ियों को टीम में लिया। बडोनी फिनिशर की भूमिका निभाना सीख रहा है।

निकोलस ने जीत का श्रेय मार्क वुड को दिया

लखनऊ सुपरजाइंट्स के मध्यक्रम के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ आखिरी गेंद पर मिली जीत का श्रेय तेज गेंदबाज मार्क वुड के अंतिम ओवर को भी दिया जिससे मेजबान टीम को 212 रन पर रोकने में मदद मिली। वुड ने आरसीबी की पारी के अंतिम ओवर में केवल नौ रन दिए और विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया। आखिर में उनका यह प्रयास महत्वपूर्ण साबित हुआ। लखनऊ ने पावर प्ले में 23 रन के अंदर तीन विकेट गंवाने के बावजूद एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज पूरन ने केवल 19 गेंदों पर 62 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उन्होंने केवल 15 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और आयुष बडोनी के साथ 84 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

पूरन ने मैच के बाद कहा, '' निश्चित तौर पर यह बहुत अच्छी पिच थी। मार्क वुड का अंतिम ओवर शानदार था जिससे हम मैच में बने रहे। आज के प्रदर्शन से मैं वास्तव में हैरान नहीं हूं। यह अच्छी पिच थी और बाउंड्री छोटी थी।'' उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि 220 से अधिक रन का लक्ष्य हम पर मनोवैज्ञानिक तौर पर अतिरिक्त दबाव डालता लेकिन 213 रन के लक्ष्य के सामने हमें लगा कि इसे हासिल किया जा सकता है।'' पूरन ने शुरू में विकेट लेने के लिए आरसीबी के गेंदबाजों वायने पार्नेल और मोहम्मद सिराज को श्रेय दिया लेकिन साथ ही कहा कि आईपीएल में प्रत्येक टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज हैं और एक या दो अच्छी साझेदारी मैच का पासा पलट सकती है।

विश्वकप में रोहित के जोड़ीदार बन सकते हैं धवन

मुम्बई। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को कप्तान रोहित शर्मा के साथ सलामी जोड़ी के लिए एक अच्छा बल्लेबाज माना जा रहा है। पिछलु काफी समय से धवन टीम से बाहर हैं पर हाल में आईपीएल में जिस प्रकार से धवन ने रन बनाये हैं उससे माना जा रहा है कि विश्वकप के लिए उनके ना पर विचार हो सकता है। पिछले मैच में नाबाद 99 रन बनाकर उन्होंने विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। आईपीएल की शुरुआत से ही इस बार धवन ने तेजी से रन बनाये हैं। अपने शुरुआती तीन मैचों में ही धवन ने 40 रन, नाबाद 86 रन और नाबाद 99 रन बनाय हैं। धवन ने 3 मैचों में कुल 255 रन बनाए हैं और अभी वह ऑरेंज कैप के दावेदार भी बने हुए हैं। टीम इंडिया के लोकेश राहुल जिस प्रकार अभी तक आईपीएल में रन नहीं बना पाये हैं उससे भी धवन को जगह मिलने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। टीम प्रबंधन के पास एक सलामी बल्लेबाज के लिए शुभमन गिल हैं पर उनके पास अनुभव की कमी है। शिखर धवन और रोहित शर्मा की जोड़ी ने कई बार भारतीय टीम को जीत दिलायी है। धवन का बाएं हाथ का बल्लेबाज होने भी फायदेमंद रहेगा। दाये और बाएं का संयोजन विरोधी गेंदबाजों के लिए परेशानी खड़ी करता है।

जूनियर एनटीआर वॉर 2 से बॉलीवुड में नहीं करेंगे डेब्यू!

इस समय हर तरफ यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की चर्चा हो रही है, क्योंकि बैक टू बैक कई बड़े ऐलान हुए हैं। हाल ही में खबर आई किवॉर 2 कोब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी डायरेक्ट करेंगे। इसके बाद ये रिपोर्ट आई कि ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ जूनियर एनटीआर भी होंगे। ये सुनकर फैंस की एक्साइटमेंट कई गुना बढ़ गई, लेकिन अब एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जो इस एक्साइटमेंट को खत्म कर सकती है। वो ये कि साउथ स्टार जूनियर एनटीआर इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे! जानकारी के मुताबिक, जब भी किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा होती है तो एक्टर्स की मार्केटिंग टीम उत्साहित हो जाती है। यशराज फिल्म्स की वॉर के सीक्वल की खबर आने ही वाली थी किसनसनीखेज खबर सुनी कि जूनियर एनटीआर, ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ कास्ट में शामिल होंगे। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया,लेकिन क्या शामिल हों वॉर 2 अभी केवल एक आइडिया है। सीक्वल के लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं है तो इसमें किसी एक्टर को कैसे कास्ट किया जा सकता है? प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा द्वारा तय किया गया है कि अयान मुखर्जी इसे डायरेक्ट करेंगे। इसके अलावावॉर 2 के लिए अभी कुछ नहीं है। ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 और 3 को पूरा करने के बाद ही अयान इस प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे।वॉर 2 की शूटिंग 2025 के अंत तक शुरू नहीं होगी।इस बीच हैदराबाद में छ्व्रह्रञ्ज के एक करीबी सूत्र ने रिपोर्ट पर रिएक्शन देते हुए कहा,तुम पागल हो? एनटीआर अपने बॉलीवुड डेब्यू के रूप में कभी भी दो-हीरो वाली फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत नहीं होंगे।

दोबारा मां बनना चाहती हैं भारती सिंह

हाल ही में करीना कपूर ने अपने चैट शो 'व्हाट वीमेन वांट' में भारती सिंह को गेस्ट के तौर पर होस्ट किया। करीना और भारती ने शो पर अपने फेवरेट फूड से लेकर बच्चों तक बात की। साथ ही भारती कॉमेडियन होने की जर्नी पर भी बात की।

भारती ने अपने बेटे लक्ष्य (गोला) पर भी बात की। भारती ने कहा कि वो चाहती हैं कि उनका बेटा बहुत जिद्दी और नखरे करने वाला बच्चा हो। इतना जिद्दी हो कि कभी-कभी उन्हें शर्मिंदा भी होना पड़े। शो पर एक गेम की तरह करीना ने भारती को कुछ सिचुएशन दी थी। इसी गेम के एक राउंड में करीने ने भारती को जिद्दी और नखरेबाज बच्चों को रेट करने के लिए कहा था। इस बात का जवाब देते हुए भारती ने कहा- अच्छे लगते हैं मुझे जिद्दी बच्चे! मैं चाहती हूं मेरे बच्चा मॉल में लेटे ऐसे करके..मेरी इंसलट हो! इस बातचीत के दौरान भारती ने मजेदार अंदाज में बताया कि वो दोबारा मां बनना चाहती हैं। लेकिन, इस बार उन्हें बेटी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या आप ऐसे किसी डॉक्टर को जानते हैं जिसके पास लड़की पैदा करने का कोई इंजेक्शन हो। पिछले साल अप्रैल में भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया का बेटा हुआ था। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे गोला का पहला बर्थडे मनाया था। वहीं करीना कपूर ने शो के दौरान अपने बेटे तैमुर और जेह का जिक्र किया। जल्द ही करीना कपूर 'द क्रू', 'द डीवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' और 'बंकिघम मर्डर्स' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

सलमान के लुंगी पहनकर डांस करने पर मचा बवाल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्मकिसी का भाई किसी की जान का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के कई धमाकेदार गाने रिलीज हो चुके हैं। हाल ही फिल्म का गानायेंतम्मा रिलीज हुआ है। इस गाने में सलमान खान लुंगी पहनकर डांस करते दिख रहे हैं। गाने में सलमान खान के साथ साउथ सुपरस्टार राम चरण और वेंकटेश भी नजर आ रहे हैं। रिलीज के बाद से हीयेंतम्मा गाना सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। फैस इस गाने को काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन साउथ के दर्शकों ने इस गाने पर आपत्ति जताई है। साउथ फैंस सलमान के लुंगी पहनकर डांस करने से नाराज हो गए हैं। लोगों का कहना है कि गाने में साउथ इंडियन कल्चर का अपमान किया गया है। गाने में सलमान खान और बाकी मेल कलाकार साउथ के त्योहारों की पारंपरिक पोशाक वेस्ती (धोती) पहने दिख रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मण श्रीरामाकृष्णन ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, यह हमारे साउथ इंडियन कल्चर का बहुत अपमान करने जैसा है। यह लुंगी नहीं है, यह धोती है। यह एक क्लासिकल आउटफिट है जिसे बहुत ही घटिया ढंग से दिखाया गया है। वहीं तमिल फिल्म क्रिटिक प्रशांत राणागस्वामी ने भी सलमान के डांस वीडियो का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, ये किस प्रकार का स्टेप है? ये लोग वेस्ती को लुंगी बता रहे हैं और घटिया डांस कर रहे हैं। बिलकल बकवास। बता दें कि सलमा खान द्वारा निर्मित. सलमान खान फिल्स प्रोडक्शन किसी का भाई किसी की जान फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित हैं।

मिनी माथुर ने कहा इंडियन आइडल है स्क्रिप्टेड

हाल ही में सोनी टीवी के लोकप्रिय रियलिटी शो इंडियन आइडल का 13वां सीजन समाप्त हुआ है। इस सीजन को अयोध्या के ऋषि सिंह ने अपने नाम करने में सफलता प्राप्त की। इस सीजन को विशाल ददलानी, हिमेश रेशमिया और नेहा कक्कड़ जज कर रहे थे। वहीं, आदित्य नारायण इसे होस्ट कर रहे थे। सोनी टीवी के इस शो को बहुत ज्यादा पसन्द किया जाता है। हालांकि यह शो विवादों में भी काफी रहता है। इस शो पर आरोप लगते रहे हैं कि टीआरपी के लिए सबकुछ स्क्रिप्टेड होता है। अब इंडियन आइडल की होस्ट रह चुकीं मिनी माथुर ने शो को लेकर कुछ बातें कही हैं। मिनी माथुर ने इंडियन आइडल के 6 सीजन को होस्ट किया है। उन्होंने फिर शो को होस्ट करना बंद कर दिया था। हाल ही में मिनी माथुर ने एक पॉडकास्ट के दौरान शो को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि जब वो शो को होस्ट करती थीं वह सभी कंटेस्टेंट के टच में रहती थीं और उन्हें घर पर भी बुलाती थीं। लेकिन जब शो का ध्यान कंटेस्टेंट्स से हटा तो उन्हें अच्छा नहीं लगा। मिनी माथुर ने कहा, मैंने शो को तब छोड़ा जब मुझे महसूस हुआ ये रियलिटी शो रियल नहीं रहा। मैंने 6 सीजन होस्ट किए। उसके बाद ये शो सिर्फ पैसे कमाने के लिए था। मैं ऐसे बनावटी रियलिटी शो की तारीफ नहीं कर पाई। मिनी माथुर ने ये भी बताया कि इंडियन आइडल स्क्रिप्टेट होने लगा। एक किस्सा बताते हुए उन्होंने बताया कि एक बार कंटेस्टेंट को रिश्तेदार को देखकर चौंकने वाला रिएक्शन देना था, जबकि उसे पता था कि उसका रिश्तेदार आने वाला है। मिनी माथुर ने हेमा मालिनी और धर्मेंद का जिक्र करते हुए कहा, एक दिन मेरे प्रोड्यूसर ने मुझसे कहा कि हेमा मालिनी और धर्मेंद्र आ रहे हैं, उनका मोमेंट करना है। मैंने कहा कि मोमेंट करते हैं या होता है। क्या आप इन चीजों को मेरे एक्सपीरियंस पर छोड़ सकते हैं? वह ऐसी चीज थी जो मैं नहीं करने वाली थी।

डबल मीनिंग गानों पर सिंगर अलका ने दिया जवाब

सिंगर अलका याग्निक ने हाल ही में बताया कि उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे डबल मीनिंग गाने गाए हैं, जिनके मतलब उन्हें रिकॉर्डिंग के दौरान नहीं पता थे। वो गानों के मतलब से पूरी तरह अंजान रहती थीं। इस बात का पता उन्हें उनके दोस्तों से चला, जिसके बाद उन्होंने गानों के लिरिक्स पर ध्यान देना शुरू किया। म्यूजिक इंडस्ट्री के पुराने दौर को याद करते हुए अलका ने बताया कि एक वक्त था जब म्यूजिक इंडस्ट्री में डबल मीनिंग गानों का चलन था। बातचीत के दौरान अलका ने कहा-यकीन करें या न करें मैंने उस तरह के कई गाने गाए हैं, बिना इस चीज की समझ के कि मैं क्या गा रही हूं। अलका ने आगे कहा-मैं अक्सर वो गाने गाया करती थी, जिसके बारे में मुझे लगता कि यह बढ़िया होगा।' जब मैं गाने के बारे में अपने दोस्तों को बताती थीं, तो वो समझाते थे कि मैं गाने का असल मतलब नहीं समझ रही। अलका ने बताया कि बाद में उन्होंने लिरिक्स पर गौर करना शुरू किया। जब कभी भी नया गाना आता था, तो वो पहले कहती थीं कि गाने लिरिक्स भेजिए। उसे चेक करने के बाद ही गाना गाएंगी। अपने पॉपुलर गाने 'चोली के पीछे क्या है' का जिक्र करते हुए अलका ने बताया कि रिकॉर्डिंग से पहले तक उन्हें इस गाने के शुरुआती बोल नहीं पता थे, क्योंकि ओपनिंग लाइन इला अरुण ने गई थी। अलका ने कहा-मुझे रिकॉर्डिंग के एक दिन पहले बुलाया गया था। मेरी लाइन थी चोली में दिल है मेरा, चुनरी में दिल है मेरा, जिसे मैंने रिकॉर्ड किया।

फीमेल एक्ट्रेस को अभी भी नहीं मिलते पॉवरफुल किरदार

वेटरन एक्ट्रेस हेमा मालिनी का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में अभी भी फीमेल एक्ट्रेस को पॉवरफुल रोल नहीं मिल रहे हैं। हेमा का मानना है कि मेल एक्टर्स को फीमेल एक्टर्स की तुलना में आज भी ज्यादा काम मिलता है। हेमा के मुताबिक,आज भी कोई राइटर एक्ट्रेसेस को दिमाग में रखकर कोई स्टोरी नहीं लिखता। हेमा ने अमिताभ बच्चन का उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ स्टोरीज सिर्फ उन्हीं को दिमाग में रखकर बनाई जाती है। इतनी लग्जरी सिर्फ उनके ओहदे वाले स्टार को ही मिल सकती है।

पावरफुल रोल मेल एक्टर्स के लिए रिजर्व होता है

हेमा मालिनी हाल ही में बातचीत कर रही थी। वहां उनसे पूछा गया कि आज कल के आने से महिला कलाकारों को मजबूत रोल मिल रहे हैं। अभी भी फिल्मों में पावरफुल रोल मेल एक्टर्स के लिए रिजर्व कर लिया जाता है। हेमा के मुताबिक, बिग बी के लिए जैसे रोल लिखे गए.. वो मुझे नहीं लगता किसी फीमेल एक्टर के लिए कभी लिखे गए हो। बता दें कि हेमा और अमिताभ बच्चन ने 2003 में फिल्म बागबान में साथ काम किया था। इस फिल्म को ऑडियंस ने काफी पसंद किया था।

ऐसे रोल के इंतजार में हूं, जो मुझे चैलेंज कर सके

हेमा का कहना है कि वो पिछले 6 दशकों से एक्टिंग फील्ड में हैं लेकिन अभी भी ऐसे रोल के इंतजार में हैं जो उन्हें चैलेंज कर सके। उनका कहना है कि ऐसे रोल उन्हें आज किसी ने ऑफर नहीं किया। हेमा ने कहा, अगर मुझे ध्यान में रखकर कोई रोल ऑफर करेगा तो मुझे ये करने में काफी अच्छा रहेगा। मुझे लगता है कि मेरे पास इतनी काबिलियत है कि मैं ऐसे किरदारों के साथ न्याय कर सकूंगी।

हेमा के बारे में राजकपूर की भविष्यवाणी सच साबित हुई

हेमा मालिनी को फिल्म इंडस्ट्री में ड्रीम गर्ल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बेहद कम उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। 1968 में आई फिल्म सपनों का सौदागर से उन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया था। हालांकि उन्हें पॉपुलैरिटी मिली फिल्म.. जॉनी मेरा नाम से। इसके बाद में उन्होंने शोले, सीता और गीता, ड्रीम गर्ल, क्रांति और अंधा कानून जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। हेमा मालिनी के लिए एक बार राजकपूर ने कहा था कि ये लड़की एक दिन बहुत बड़ी सुपरस्टार बनेगी। शायद राजकपूर की ये बात सच भी साबित हुई।

वनवे में जैकलीन व जायद खान के साथ नजर आएंगी चाहत खन्ना

एक वक्त था जब हिन्दी फिल्म उद्योग में रामसे ब्रदर्स के नाम का डंका बजता था। रामसे ब्रदर्स की हॉरर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर होती थी। उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण किया। लम्बे समय से रामसे ब्रदर्स के नाम से कोई फिल्म बाजार में नहीं आई है। लेकिन अब इस परिवार के फिल्म निर्माता श्याम रामसे की बेटी साशा रामसे बतौर निर्देशक सामने आ रही हैं। इन दिनों वे फिल्म वन वे का निर्देशन कर रही हैं, जिसके जरिये संजय खान के बेटे अभिनेता जायद खान बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस भी मुख्य भूमिका में हैं और एकता कपूर के सोप ओपेरा बड़े अच्छे लगते में दिखाई दी चाहत खन्ना भी नजर आएंगी। बड़े अच्छे लगते हैं की एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने जैकलीन फर्नांडीस अभिनीत फिल्म वन वे का हिस्सा बनने के लिए अपनी खुशी साझा की। उन्होंने कहा कि वह विभिन्न अवसरों की खोज करने और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने के लिए उत्सुक हैं। वन वे एक सुपरनेचुलर थ्रिलर है, जिसमें मैं हूं ना एक्टर जायद खान भी हैं और फिल्म निर्माता श्याम रामसे की बेटी साशा द्वारा निर्देशित है। फिल्म में, चाहत एक महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो जैकलीन फर्नांडीस द्वारा निभाए गए किरदार की मेंटॉर है। इसके अतिरिक्त चाहत इन दिनों यात्री नामक फिल्म भी नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और इसी बात से चाहत खुश हैं। चाहत यात्री नाम की एक और फिल्म में भी नजर आने वाली हैं। इन प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए, चाहत ने कहा, मुझे अलग-अलग माध्यमों में काम करने में मजा आता है।

थिएटरों से भागते दर्शकों पर बोलीं सोनाली

इडियाज बेस्ट डांसर्स सीजन 3 को जज कर रहीं सोनाली बेंद्रे करीब एक दशक के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से इंडस्ट्री में नई पारी खेल रही हैं। सोनाली ने बताया कि क्यों उन्होंने बॉलीवुड से इतना लंबा ब्रेक लिया था। उन्होंने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया कि आखिर क्यों लोग आज सिनेमाघरों की तरफ रुख नहीं कर रहे। एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने अपने तीन दशक के लंबे करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। इसका कारण उनका रचनात्मक कहानियों का चुनाव रहा है।हम साथ-साथ हैं की डॉक्टर साहिबा का मानना है कि आज के समय में सेहत और रिश्ते सबसे कीमती हैं। सोनाली को लगता है कि इंडस्ट्री इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और एक दिन समय बदलेगा। आने वाले दिनों में उनके पास कई प्रॉजेक्ट हैं लेकिन उनका सारा ध्यान दमदार कहानियों पर ही है। जल्द वहइडियाज बेस्ट डांसर्स सीजन-3 में बतौर जज नजर आएंगी।

बेटे के लिए लिया था लंबा ब्रेक

एक दशक तक बॉलिवुड से दूरी बनाने के सवाल पर सोनाली बेंद्रे ने कहा कि मुझे उस दौरान लगा कि बेटे को मेरी जरूरत है। दरअसल है क्या, जब आप कोई फिल्म करते हैं तो उसमें आपको किरदार में डूबना होता है। साथ ही कई और भी चीजें होती हैं। मैं उस वक्त अपने बच्चे के साथ समय बिताना चाहती थी। मुझे पता था कि मैं काम और जिम्मेदारी के बीच न्याय नहीं कर पाऊंगी। ऐसे में पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ में सामंजस्य बैठा पाना मुश्किल होगा। इस लिहाज से मैंने उस पीरियड में ब्रेक लेना जरूरी समझा।

सेहत और रिश्ते सबसे कीमती हैं

इंडस्ट्री से मिली सबसे बड़ी सीख पर सोनाली कहती हैं कि कोई भी समय एक सा नहीं रहता। अगर आपके अच्छे दिन चल रहे हैं तो वह बदल भी सकते हैं और बुरे दिन आएंगे तो वह भी एक दिन दूर हो जाएंगे। दुनिया गोल है, जहां आप घूम-फिरकर फिर उसी जगह आ जाते हैं और उन्हीं लोगों से मिलते हैं। मैंने यही सीखा है कि अच्छे रिश्ते बनाइए। आपकी सेहत और रिश्ते से ज्यादा कीमती दुनिया में कोई भी चीज नहीं। नया सीखते रहिए और जीवन में आगे बढ़ते रहिए।

सच स्वीकारने के लिए तैयार रहें

किसी भी इंडस्ट्री को देखिए, उसमें एक समय बाद चुनौतियां आती हैं। ऐसा इसलिए होता क्योंकि ये बदलाव का वक्त है। मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री भी इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। अगर हम उसे स्वीकार नहीं करेंगे तो आगे नहीं बढ़ पाएंगे।